संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-182 शनिवार, 04 मई 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

रायबरेली लोकसभा सीट से राहुल ने दाखिल किया नामांकन

नई दिल्ली ,03 मई 2024(ए)। राहुल गांधी ने शुक्रवार को रायबरेली लोकसभा सीट से नामांकन दाखिल किया। काफी सस्पेंस के बाद कांग्रेस ने पूर्व अध्यक्ष को वायनाड के बाद बहुचर्चित अमेठी की जगह रायबरेली से उतारा। राहुल गांधी के परचा दाखिल करने के समय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, उनकी मां सोनिया गांधी और बहन प्रियंका गांधी भी मौजूद थीं। उन्होंने इसके बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया, जिसमें रायबरेली से नामांकन को राहुल गांधी ने एक भावुक पल बताया।

राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, रायबरेली से नामांकन मेरे लिए भावुक पल था। मेरी मां ने मुझे बड़े भरोसे के साथ परिवार की कर्मभूमि सौंपी है और उसकी सेवा का मौका दिया है। अमेठी और रायबरेली मेरे लिए अलग-अलग नहीं हैं, दोनों ही मेरा परिवार हैं और मुझे खुशी है कि 40 वर्षों से क्षेत्र की सेवा कर रहे किशोरी लाल जी अमेठी से पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे।. अन्याय के खिलाफ चल रही न्याय की जंग में, मैं मेरे अपनों की मोहब्बत और उनका आशीर्वाद मांगता हूं। मुझे विश्वास है कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने की इस लड़ाई में आप सभी मेरे साथ खड़े हैं।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पिछली बार की तरह इस बार भी दो लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

राहुल गांधी 2004 से लगातार तीन बार अमेठी निर्वाचन क्षेत्र से संसद सदस्य चुने गए थे। वो 2019 में बीजेपी नेता स्मृति ईरानी से चुनाव हार गए थे. वो अभी केरल के वायनाड निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस बार भी राहुल वायनाड से चुनाव मैदान में हैं। अब कांग्रेस ने उन्हें रायबरेली लोकसभा सीट से भी चुनाव मैदान में उतार दिया है।

राहुल गांधी ने 2004 में भारतीय राजनीति में कदम रखा और अपना पहला चुनाव अमेठी से लड़ा। यह वही सीट थी, जिसका प्रतिनिधित्व उनकी मां सोनिया गांधी (1999-2004) और उनके दिवंगत पिता राजीव गांधी ने 1981-91 के बीच किया था।

राहुल गांधी ने देशभर में निकाली यात्राएं...

इसके बाद से राहुल गांधी ने देशभर में यात्राएं निकालीं। कन्याकुमारी से कश्मीर तक की पैदल यात्रा के अलावा उन्होंने मणिपुर से मुंबई तक की यात्रा भी की.।कांग्रेस नेताओं ने इन पहलों की पार्टी कार्यकर्ताओं व समर्थकों को प्रेरित करने के लिए सराहना की। गांधी ने हाल ही में कहा कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और वंचित लोगों के लिए 'न्याय सुनिश्चित करना अब उनके जीवन का उद्देश्य है। राहुल गांधी ने 2024 लोकसभा चुनाव के लिये कांग्रेस के प्रचार अभियान में पांच न्याय-युवा न्याय, नारी न्याय, किसान न्याय, श्रमिक न्याय और हिस्सेदारी न्याय - की वकालत की है। लगातार सुरक्षा खतरों के कारण राहुल और उनकी बहन प्रियंका की आगे की पढ़ाई घर पर ही हुई। अपनी स्नातक की पढ़ाई के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफंस कॉलेज में दाखिला लेने के एक साल बाद, वह हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ाई के लिए अमेरिका चले गए। अपने पिता की हत्या और उसके बाद उपजी सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर राहुल गांधी फ्लोरिडा के रोलिंस कॉलेज में स्थानांतरित हो गए। उन्होंने 1994 में स्नातक की डिग्री हासिल की।

2004 में अमेठी से राहुल लगभग तीन लाख मतों के भारी अंतर से जीते. 2009 में वो फिर जीते, लेकिन 2014 में उनकी जीत का अंतर कम हो गया और 2019 में वो हार गए. उन्हें 2013 में कांग्रेस का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया और 16 दिसंबर, 2017 को उन्होंने पार्टी की कमान संभाली। लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में हार के बाद उन्होंने मई में अध्यक्ष पद छोड़ दिया।

एम.फिल की पढ़ाई कर चुके हैं राहुल

इसके बाद, 1995 में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय (ट्रिनिटी कॉलेज) से 'डेवलपमेंट स्टडीज में उन्होंने एम.फिल की पढ़ाई पूरी की। स्नातक स्तर की पढ़ाई के बाद, राहुल ने लंदन में एक प्रबंधन परामर्श कंपनी,मॉनिटर ग्रूप में अपनी पेशेवर यात्रा शुरू की. बाद में वो भारत लौट आये और अंततः राजनीति में आए। राहुल गांधी एक सर्टिफाइड स्कूबा गोताखोर हैं और अपनी फिटनेस के लिए जाने जाते हैं. उनके पास जापानी मार्शल आर्ट ऐकिडो में ब्लैक बेल्ट भी है।

रायबरेली में राहुल गांधी

अमेठी-रायबरेली से चुनाव न लड़ने पर प्रियंका गांधी की आई पहली प्रतिक्रिया

रायबरेली से राहुल गांधी और अमेठी से गांधी परिवार के करीबी किशोरीलाल शर्मा को पार्टी उम्मीदवार बनाए जाने के बाद प्रियंका गांधी की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। प्रियंका ने अपनी दावेदारी को लेकर किसी को संचालन भी तो करना है। अमेठी पहुंची प्रियंका गांधी ने फुर्सतगंज एयरपोर्ट पर सवाल के जवाब में कहा- 'किसी को संचालन भी तो करना है'. प्रियंका गांधी ने अमेठी से किशारीलाल शर्मा को सही च्वाइस बताया और कहा कि वे लंबे समय से अमेठी का कामकाज संभालते रहे हैं. उन्हें यहां के हर इलाके और हर गली की पूरी जानकारी है। उन्हें मौका दीजिए।

अमित शाह ने किया बड़ा ऐलान

» **चुनाव के अंतिम चरण से पहले सीएए के तहत जारी होगी पहली नागरिकता...**

नई दिल्ली ,03 मई 2024(ए)। लोकसभा चुनाव के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर बड़ा ऐलान किया है। अमित शाह ने कहा कि चुनाव के अंतिम चरण से पहले सीएए के तहत पहली नागरिकता जारी की जाएगी। अमित शाह ने बताया कि आवेदन आने शुरू हो गए हैं। आवेदनों की नियमों के अनुसार जांच हो रही है और लोकसभा चुनाव खत्म होने से पहले, यानी आखिरी चरण से पहले नागरिकता देने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। सीएए के तहत पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से आने वाले गैर मुस्लिम शरणार्थियों को भारत की नागरिकता मिल पाएगी। हालांकि, इन शरणार्थियों को भारत की नागरिकता पाने के लिए आवेदन करना होगा। नागरिकता संशोधन कानून के तहत पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई शरणार्थियों को नागरिकता मिलेगी। आवेदक को वैध या समाप्त हो चुके पासपोर्ट, आवासीय परमिट, पति या पत्नी की भारतीय राष्ट्रीयता का प्रमाण मसलन, भारतीय पासपोर्ट या जन्म प्रमाणपत्र की प्रति या मैरिज रजिस्ट्रार द्वारा जारी विवाह प्रमाणपत्र की प्रति प्रदान करनी होगी। हालांकि, इन दस्तावेज को जमा करना अनिवार्य नहीं है।

संजय निरुपम शिवसेना में शामिल

नई दिल्ली ,03 मई 2024 (ए)। कांग्रेस पार्टी छोड़ने के बाद संजय निरुपम ने अपना नया राजनीतिक ठिकाना ढूंढ लिया है. कांग्रेस के पूर्व नेता संजय निरुपम आज एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना में शामिल हो गए हैं. कांग्रेस पार्टी से निष्कासित होने के बाद संजय निरुपम करीब दो दशक बाद शिवसेना में वापस लौटे हैं. संजय निरुपम को दोपहर तीन बजे का टाइम दिया गया था. सीएम एकनाथ शिंदे आनंद आश्रम में चार घंटे बाद पहुंचे. इतने देर तक निरुपम को इंतजार करना पड़ा.

संजय निरुपम ने कहा, होइहे वही जो राम रच राखा. पूरे दल बल के साथ शिवसेना में आया हूं. लोकसभा चुनाव में महायुति के उम्मीदवारों को जितना है. शिवसेना की मुंबई में तीन की तीन सीट जीतकर लायेंगे. भगवा का झंडा बुलंद करूंगा. कभी कोई शिकायत का मौका नहीं मिलेगा. देर आया दुरुस्त आया.÷ उद्धव ठाकरे के एक तरफा उम्मीदवार उतारने के बाद से संजय निरुपम नाराज हो गए थे. इसके बाद निरुपम ने शिवसेना (UBT) अध्यक्ष समेत कांग्रेस पर तीखा हमला बोला था. इसके बाद कांग्रेस पार्टी ने निरुपम के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की और और उन्हें पार्टी से छह साल के लिए निलंबित कर दिया.

तिहाड़ जेल में कैदी की चाकू गोदकर हत्या

नई दिल्ली ,03 मई 2024(ए)। दिल्ली के तिहाड़ जेल में एक कैदी की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है. बताया जा रहा है कि जेल नंबर तीन में कैदियों के बीच लड़ाई हुई और एक सजायाफ्ता कैदी की कुछ कैदियों ने मिलकर हत्या कर दी. मृतक कैदी जेल में सेवादार का काम करता था. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की. नई दिल्ली स्थित तिहाड़ जेल से बड़ी खबर सामने आई है। तिहाड़ जेल नंबर तीन में एक कैदी की हत्या कर दी गई है। तिहाड़ जेल में यह घटना उस समय हुई, जब शुक्रवार दोपहर कैदियों के दो गुट किसी बात पर आपस में भिड़ गए।

तिहाड़ जेल में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया सहित कई नामी हस्तियां भी बंद हैं। दिल्ली की तिहाड़ जेल नंबर तीन में शुक्रवार को दीपक नाम के कैदी की हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि एक अन्य कैदी ने विवाद होने पर हाथ से बनाए हथियार से दीपक पर हमला किया। हत्या के एक मामले में दीपक जेल में बंद था, जबकि हमला करने वाला कैदी हत्या के प्रयास में जेल में बंद है। सूत्रों के मुताबिक, खाने को लेकर दोनों में विवाद हुआ था। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली ,03 मई 2024 (ए)। आबकारी नीति घोटाला मामले में जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत अर्जी पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट में बड़ी टिप्पणी की है।

सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच ने मामले में ईडी और केजरीवाल के वकील की दलीलें सुनने के बाद कहा कि वह चुनाव को देखते हुए केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर विचार कर सकते हैं। हालांकि इस पर मंगलवार को ही कोई फैसला होगा।

ईडी द्वारा अपना पक्ष रखने का समय मांगने पर कोर्ट ने कहा

इस पर जब ईडी ने कहा कि कोई भी फैसला सुनाए जाने से पहले उन्हें अपना पक्ष रखने का पूरा मौका दिया जाना चाहिए तो कोर्ट ने कहा कि वह अभी इस पर कोई विचार नहीं कर रहे, क्योंकि इसमें समय लगेगा।

जब केजरीवाल के वकील ने कोर्ट से मंगलवार की बजाय सोमवार को सुनवाई के लिए कहा तो कोर्ट ने कह दिया कि वह अभी किसी तरह के कमेंट नहीं करेंगे, मंगलवार को ही फैसला सुनाएंगे।

झेलम एक्सप्रेस में बम की सूचना,एक व्यक्ति हिरासत में

भोपाल,03 मई 2024 (ए)। पुणे से जम्मू तवी जाने वाली झेलम एक्सप्रेस में बम की सूचना पर गाड़ी को भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन पर रोक कर सर्चिंग की गई। आरपीएफ ने इस मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है।मिली जानकारी के अनुसार, झेलम एक्सप्रेस में बम होने की सूचना मिली थी। किसी यात्री ने सूचना दी कि गाड़ी के एस-9 कोच में संदिग्ध वस्तु रखी है। इस सूचना के आधार पर रानी कमलापति स्टेशन पर गाड़ी को रोका गया और आरपीएफ व जीआरपी के जवानों ने तलाशी ली। डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया। ट्रेन के अंदर कुछ भी नहीं मिला।झेलम एक्सप्रेस की सर्चिंग में लगभग आधे घंटे का समय लगा और उसके बाद गाड़ी को आगे के लिए रवाना किया गया।आरपीएफ ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है, जिसकी मानसिक स्थिति अच्छी नहीं बताई जा रही है। उससे पूछताछ की जा रही है।

मौत के मुंह में समा गया

बहन बनाती रही भाई के डूबने का वीडियो

कोलार,03 मई 2024 (ए)। कर्नाटक के कोलार में दर्दनाक घटना सामने आई है. यहां एक युवक अपने खेत में बने तालाब में तैरने के लिए कूदा, लेकिन वह पानी से बाहर नहीं निकल सका, जिससे डूबकर उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद युवक के परिजनों में कोहराम मच गया। बुधवार को हुई इस घटना का खुलासा बाद में हुआ। इस घटना का वीडियो सामने आया है. युवक ने तालाब में छलांग लगाने से पहले वीडियो बनाने के लिए अपना मोबाइल अपनी छोटी बहन को दे दिया था। जानकारी के अनुसार, यह घटना कोलार तालुक के नागानाला गांव के पास एक खेत के तालाब में हुई। यहां 26 साल के गौतम गौड़ा अपने गांव पहुंचे थे. गौतम राघवेंद्र नगर मैसूर में रहते थे. वे जब वेमागल के पास नागानाला गांव पहुंचे तो छोटी बहन के साथ खेत पर बने तालाब में नहाने गए. इस दौरान गौतम ने अपना मोबाइल अपनी बहन को पकड़ा दिया और वीडियो बनाने को कहा। गौतम गौड़ा को स्विमिंग नहीं आती थी, इसके बाद भी उन्होंने गहरे तालाब में छलांग लगा दी।

तालाब में कूदते ही गौतम पानी में कुछ दूर तक हाथ पैर चलाकर तैरने की कोशिश करते रहे। कुछ दूरी के बाद गौतम को लगा कि वे खुद को संभाल नहीं पा रहे हैं और आगे भी नहीं बढ़ पा रहे हैं। इस पर गौतम ने तेज आवाज लगाई। गौतम की आवाज सुनकर कमर में ट्यूब बांधकर नहा रहा एक लड़का उनके पास आने लगा।. तालाब में नहा रहा लड़का नजदीक पहुंचा, लेकिन गौतम के पास तक हाथ नहीं बढ़ा सका और गौतम को कोई सहारा नहीं मिल पाया। कुछ देर तक गौतम पानी से निकलने की कोशिश करते रहे, लेकिन कामयाब नहीं हो सके और डूबने से उनकी मौत हो गई। इस पूरी घटना के दौरान गौतम की छोटी बहन ने मोबाइल पर वीडियो बनाती रही. गौतम की मौत से उनके परिजनों में कोहराम मच गया।

हेलमेट नहीं लगाया तो पुलिस ने स्कूटी चालक का फोड़ दिया सिर

» **पुलिस की गुंडागर्दी,स्कूटी चालक को पीट-पीट कर किया लहूलुहान**

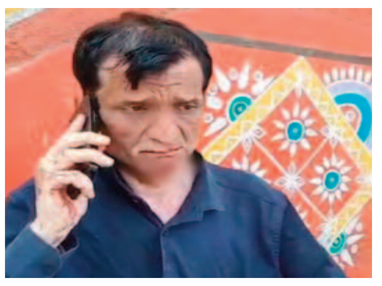

जबलपुर,03 मई 2024 (ए)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में यातायात नियमों का पालन कराने के नाम पर पुलिस की गुंडागर्दी का मामला सामने आया है। यहां एक पुलिसकर्मी ने स्कूटी से जा रहे एक शख्स के सिर पर डंडा मार कर उसे लहूलुहान कर दिया। इतना ही नहीं, वर्दीधारी जवान पर चालक के साथ पिटाई करने का भी आरोप है। इस घटना के बाद मौके पर जमकर बवाल मच गया। मामला सिविल लाइन थाना अंतर्गत माल गोदाम क्षेत्र का है।दरअसल शहर में ट्रैफिक नियमों का पालन कराने के लिए पुलिस कई जगहों पर वाहन चेकिंग अभियान चला रही है। शत्रुघ्न लाल कौशल नामक शख्स अपने दुकान के काम से जा रहा था। इस दौरान माल गोदाम पर हेलमेट न लगाने की वजह से वहां ड्यूटी कर रहे जवान ने उसे रोका लेकिन वह नहीं रुका। तभी जवान ने उसके सिर पर डंडे से वार कर दिया। इस हमले से पीड़ित के सिर से खून की धार बहने लगी। इतना ही नहीं, पुलिसकर्मी पर यह आरोप भी है कि उसने गाड़ी चालक की पिटाई भी की। इस मामले में पुलिस के आला अधिकारी से शिकायत की गई है। एएसपी प्रदीप शेंडे ने पूरे घटनाक्रम कर कहा कि चालानी कार्रवाई के दौरान मामला सामने आया है कि ट्रैफिक जवान ने राहगीर के साथ मारपीट की है। इसे जल्द ही संज्ञान में लेते हुए जो भी दोषी हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

आदर्श संहिता उल्लंघन मामले में पहली कार्रवाई

निर्वाचन आयोग ने प्रधानमंत्री के बांसवाड़ा में दिए भाषण पर भाजपा से जवाब मांगा है। कांग्रेस और वामदलों ने नरेन्द्र मोदी के भाषण को विभाजनकारी और महाहानिकर बताते हुए आयोग से शिकायत की थी।इसी पर संज्ञान लेते हुए आयोग ने नोटिस दिया है। किसी पदेन प्रधानमंत्री के विरुद्ध आदर्श संहिता उल्लंघन मामले में यह पहली कार्रवाई है। आयोग का अपनी याददाश्त के आधार पर ऐसा दावा है। दूसरी तरफ, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और उनकी पार्टी के नेता राहुल गांधी के विरुद्ध भाजपा की शिकायतों पर जवाब मांगा गया है। ये जवाब 29 अप्रैल तक दिए जाने हैं। इस तरह से आयोग ने निष्पक्षता एवं पारदर्शिता का एक कठिन पड़ाव पार कर लिया है।उसे इसका श्रेय मिलना चाहिए कि उसने संहिता उल्लंघन पर प्रधानमंत्री तक को नहीं बख्शा। यह आरोप भी कमजोर हुआ है कि आयोग विपक्ष और कमजोर दलों के नेता को ही निर्देशित करने में आगे रहता है। पर उसका निर्णायक इम्तिहान दोनों दलों के जवाब पर की जाने वाली कार्रवाई में होगा जो आयोग की शक्ति और क्षेत्र को परिभाषित करने वाला होगा। सार्वजनिक जीवन में गरिमा-मर्यादा और नियम-कायदे का आग्रही तबके ही नहीं, पूरे देश ने देखा-सुना कि बांसवाड़ा में और फिर अलीगढ़ तक में खास समुदाय और धर्म के लोगों के बारे में क्या-क्या न कहा गया।माना कि चुनाव बाद एक प्रधानमंत्री के रूप में आप समुदाय-धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करते पर यही भाव चुनावी सभाओं में भी रहना बुरा नहीं होता। यह सामान्य जन अपेक्षा है कि प्रधानमंत्री को तमाम विभाजनों और दोष-रेखाओं से ऊपर होना चाहिए। तब आयोग को भी रिकार्ड बनाने का मौका नहीं मिलता। चुनाव की घोषणा करते हुए आयोग ने भाषणों में सभ्यता के निर्वाह का अनुरोध दलों से किया था, जिसका पालन किसी ने नहीं किया।विपक्ष में स्थितिजन्य आक्रामकता स्वाभाविक ही होती है। सत्ता अपने व्यवहार से उसको परिमार्जित करती है। खरगे और राहुल सरकार की नीतियों की आलोचना के अधिकार के प्रयोग में सभ्यता भूलते रहे हैं।

बारामती में ननद भाभी की लड़ाई में कौन जीतेगा ?

जहां तक बारामती संसदीय क्षेत्र की बात है...तो आपको बता दें कि यहां लोकसभा चुनावों के तीसरे चरण के तहत 7 मई को मतदान कराया जायेगा...यह क्षेत्र अपने चीनी कारखानों के लिए जाना जाता है...राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का यह पारंपरिक गढ़ रहा है...

» सुप्रिया सुले/ सुनेत्र पवार की भिड़ंत में शरद पवार और अजित की प्रतिष्ठा दाँव पर

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संस्थापक शरद पवार ने बारामती में विकास के काम तो बहुत कराये हैं और वह लोकप्रिय नेता और राजनीति के उस्ताद भी रहे हैं लेकिन अब ऐसा लगता है कि उनकी राजनीतिक पारी समाप्ति की ओर है। ऐसा हम हवा में नहीं कह रहे बल्कि प्रभासाक्षी की चुनाव यात्रा के दौरान हमने पुणे, बारामती और शिरूर का दौरा किया और शरद पवार तथा अजित पवार की पार्टियों के चुनाव प्रचार, चुनाव प्रबंधन को तो देखा ही साथ ही यह भी जाना कि किस गुट के साथ कितने नेता और कार्यकर्ता हैं। सभी पैमानों का अध्ययन करने के बाद हम इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि अजित दादा पवार ही अब सर्वमान्य नेता हैं और एनसीपी के नेता से लेकर कार्यकर्ता और आम जनता तक इस मत की नजर आ रही है कि अजित दादा पवार ही भविष्य के नेता हैं और यह स्वाभाविक ही है कि जहां भविष्य नजर आता है वहां लोग जुड़ते ही हैं। लेकिन अजित दादा पवार का यह रुतबा और स्वीकार्यता उन्हें विरासत में नहीं मिली है बल्कि यह उन्होंने अपनी खुद की मेहनत से कमाई है। छोटे से छोटे कार्यकर्ता से सीधा संवाद करना, सुबह पांच बजे से देर रात तक कार्यकर्ताओं के लिए उपलब्ध रहना, मुंबई में व्यस्तता होने के बावजूद क्षेत्र का दौरा करते रहना और जो वादा किया है उसको जरूर निभाना, उनकी बड़ी खासियत हैं। विपक्ष उन पर भ्रष्टाचार के तमाम आरोप लगाये लेकिन स्थानीय जनता इससे इत्तेफाक नहीं रखती और वह अजित दादा पवार के समर्थन में खड़ी नजर आती है।

जहां तक बारामती संसदीय क्षेत्र की बात है तो आपको बता दें कि यहां लोकसभा चुनावों के तीसरे चरण के तहत 7 मई को मतदान कराया जायेगा। यह क्षेत्र अपने चीनी कारखानों के लिए जाना जाता है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का यह पारंपरिक गढ़ रहा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सुप्रिया सुले ने लगातार तीन लोकसभा चुनावों में इस निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की है। बारामती लोकसभा क्षेत्र में 6 विधानसभा सीटें शामिल हैं- इंदापुर,बारामती,पुरंदर,भोर,खडकवासला और दौंड। पुणे से सटा यह निर्वाचन क्षेत्र 1999 में पार्टी के गठन के बाद से एनसीपी का गढ़ रहा है। 1999 में शरद पवार ने यहां पहली बार एनसीपी के टिकट पर जीत हासिल की थी। पांच साल बाद, शरद पवार ने 2004 में लोकसभा क्षेत्र से अपनी जीत दोहराई। इसके बाद 2009 में उनकी बेटी सुप्रिया सुले पहली बार इस सीट से जीती थीं। 2009 में सुप्रिया सुले 4.87 लाख से ज्यादा वोटों और 66.46 फीसदी वोट शेयर से विजयी रही थीं लेकिन 2014 के आम चुनावों में सुप्रिया सुले ने फिर से बारामती से जीत तो हासिल की लेकिन उनका वोट शेयर बहुत कम हो गया था। 2014 में सुप्रिया सुले को 5.21 लाख से ज्यादा वोट मिले थे लेकिन वोट शेयर करीब 49 फीसदी रहा था। हालाँकि, 2019 के लोकसभा चुनावों में स्थिति में सुधार हुआ जब सुप्रिया सुले ने बारामती से 6.86 लाख से अधिक वोटों और 52.63 प्रतिशत वोट शेयर के साथ जीत हासिल की थी।

2024 के आम चुनावों में बारामती से सुप्रिया सुले की जीत का सिलसिला थम सकता है क्योंकि शरद पवार के भतीजे अजित पवार के विद्रोह के बाद स्थितियां एकदम बदल गयी हैं। इस बार सुले को अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। यानि ननद और भाभी आमने-सामने हैं। एनसीपी का विभाजन होने के परिणामस्वरूप, सुप्रिया सुले अब एक नए चुनाव चिह्न तुतारी या ब्लो हॉर्न के साथ चुनाव लड़ रही हैं, जबकि उनकी भाभी सुनेत्रा पवार एनसीपी के मूल चुनाव चिह्न घड़ी पर लड़ रही हैं। एक अनजाने चुनाव चिह्न के कारण सुले ने भावनात्मक रास्ता अख्तियार किया है। उन्होंने अब चुनावी लड़ाई को अपने पिता शरद पवार और अजित पवार के बीच की लड़ाई का रूप दे दिया है। उनका दावा है कि अजित पवार ने कथित तौर पर जांच एजेंसियों के दबाव में पार्टी पर कब्जा कर लिया है, जबकि उनके पिता शरद पवार ने पांच दशकों में अथक परिश्रम करके बारामती का निर्माण किया था।

दूसरी ओर, सुनेत्रा पवार अपने अभियान में बारामती से संबंधित स्थानीय मुद्दों पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित कर रही हैं। पवार परिवार से राजनीति में आई नई नेत्री का वैसे राजनीति से पुराना वास्ता रहा है। वह खुद भी राजनीतिक परिवार से ही ताल्लुक रखती हैं। इस चुनाव में वह पानी की कमी के साथ-साथ मराठा और धनगर आरक्षण जैसे मुद्दों को उठा रही हैं। सुनेत्रा पवार के भाषणों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अजित पवार के कामकाज का भी जिक्र होता है। हम आपको बता दें कि सत्तारुढ़ महायुति ने धनगर समुदाय, जिसमें लगभग 40 प्रतिशत मतदाता शामिल हैं, का समर्थन अपने पक्ष में करने के लिए बारामती से सुनेत्रा पवार की उम्मीदवारी की घोषणा की थी।

हम आपको यह भी बता दें कि बारामती मुख्य रूप से ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र है क्योंकि 78 प्रतिशत मतदाता ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं जबकि 22 प्रतिशत शहरी क्षेत्रों से आते हैं। बारामती एक हिंदू बहुल निर्वाचन क्षेत्र है, जहां 80 प्रतिशत से ज्यादा लोग हिंदू हैं। यहां 5 प्रतिशत मुस्लिम अल्पसंख्यक भी हैं और शेष अन्य धर्मों का प्रतिनिधित्व करते हैं। अनुसूचित जाति (एससी) की आबादी यहां 12.3 प्रतिशत है जबकि अनुसूचित जनजाति (एसटी) की आबादी 2 प्रतिशत है।बहरहाल, सुप्रिया सुले चूंकि 15 साल से सांसद हैं इसलिए उनके खिलाफ माहौल होना स्वाभाविक ही है। उनके बारे में लोगों ने कहा कि वह स्थानीय स्तर पर सक्रिय रहने की बजाय दिल्ली और मुंबई में रहना ज्यादा पसंद करती हैं। वहीं सुनेत्रा पवार जनता के बीच रहती हैं और लोगों को उम्मीद है कि यदि वह जीतती हैं तो मोदी सरकार में उन्हें मंत्री पद मिल सकता है जिससे स्थानीय लोगों को लाभ होगा। इसके अलावा, सुनेत्रा पवार ने महिलाओं के बीच काफी काम किया है जिसका लाभ उन्हें चुनावों में मिल सकता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि टेक्सटाइल मिलों में महिलाओं की नौकरी लगवाने से लेकर उनके लिए सहकारी समितियों द्वारा वित्त का प्रबंध करवाने जैसे कई काम सुनेत्रा पवार ने किये हैं इसलिए उनकी जीत तय है।

-नीरज कुमार दुबे-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

पशु जीवन के साथ भी हो गरिमापूर्ण व्यवहार

डॉ. सत्यवान सौरभ,
बड़वा (सिवानी) भिवानी, हरियाणा

पशु क्रूरता में जानवरों के साथ दुर्व्यवहार के जानबूझकर,दुर्भावनापूर्ण कार्य और कम स्पष्ट स्थितियाँ शामिल हैं जहाँ किसी जानवर की ज़रूरतों की उपेक्षा की जाती है। जानवरों के खिलाफ़ हिंसा को आपराधिक हिंसा और घरेलू दुर्व्यवहार की उच्च संभावना से जोड़ा गया है। अनुच्छेद 21 में अधिकार केवल मनुष्यों को प्रदान किया गया है लेकिन जीवन शब्द के विस्तारित अर्थ में अब बुनियादी पर्यावरण में गड़बड़ी के खिलाफ अधिकार शामिल है, इसका अर्थ यह होना चाहिए कि पशु जीवन के साथ भी आंतरिक मूल्य, सम्मान और गरिमा के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि संविधान केवल मनुष्यों के अधिकारों की रक्षा करता है, लेकिन जीवन शब्द का अर्थ आज केवल अस्तित्व से कहीं अधिक समझा जाता है; इसका मतलब एक ऐसा अस्तित्व है जो हमें, अन्य बातों के अलावा, एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में रहने की अनुमति देता है।

दंड संहिता में संशोधन करके, जानवरों को अनावश्यक दर्द या कष्ट देने और जानवरों को मारने या गंभीर रूप से दुर्व्यवहार करने के लिए सज़ा बढ़ा दी गई। इसमें क्रूरता के विभिन्न रूपों, अपवादों और किसी पीड़ित जानवर के खिलाफ कोई क्रूरता होने पर उसे मार डालने की चर्चा की गई है, ताकि उसे आगे की पीड़ा से राहत मिल सके। अधिनियम का विधायी इरादा जानवरों को अनावश्यक दर्द या पीड़ा पहुंचाने से रोकना है। भारतीय पशु कल्याण बोर्ड की स्थापना 1962 में अधिनियम की धारा 4 के तहत की गई थी। यह अधिनियम जानवरों पर अनावश्यक क्रूरता और पीड़ा पहुंचाने के लिए सजा का प्रावधान करता है। यह अधिनियम जानवरों और जानवरों के विभिन्न रूपों को परिभाषित करता है। पहले अपराध के मामले में, जुर्माना जो दस रुपये से कम नहीं होगा, लेकिन जो पचास रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। पिछले अपराध के तीन साल के भीतर किए गए दूसरे या बाद के अपराध के मामले में जुर्माना पच्चीस रुपये से कम नहीं होगा। जिसे एक सौ रुपये तक बढ़ाया जा सकता है या तीन महीने तक की कैद या दोनों से दंडित किया जा सकता है। यह वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए जानवरों पर प्रयोग से संबंधित दिशानिर्देश प्रदान करता है। यह अधिनियम प्रदर्शन करने वाले जानवरों की प्रदर्शनी और प्रदर्शन करने वाले जानवरों के खिलाफ किए गए अपराधों से संबंधित प्रावधानों को स्थापित करता है।

प्रतिशोध (किए गए अपराध का बदला लेने के लिए दी गई सजा), निवारण (अपराधी और आम जनता को भविष्य में ऐसे अपराध करने से रोकने के लिए दी गई सजा), सुधार या पुनर्वास (अपराधी के भविष्य के व्यवहार को सुधारने और आकार देने के लिए दी गई सजा), कानून का खराब कार्यान्वयन और इसके द्वारा निर्धारित कम दंड से पीसीए अधिनियम अत्यंत अप्रभावी प्रतीत होता है। अधिनियम के तहत अधिकांश अपराध जमानती हैं (आरोपी अधिकार के तौर पर पुलिस से जमानत मांग सकता है) गैर-संज्ञेय (जिसका अर्थ है कि पुलिस स्पष्ट अनुमति के बिना न तो प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर सकती है और न ही जांच कर सकती है या गिरफ्तारी कर सकती है। पीसीए अधिनियम के तहत जुर्माने के रूप में निर्धारित राशि वही है जो इसके पूर्ववर्ती, पीसीए अधिनियम 1890 में निर्धारित है। जुर्माना महत्वहीन है (कई मामलों में ₹10 से कम) क्योंकि 130 से अधिक वर्षों में उनमें संशोधन नहीं हुआ है। कानून को इस तरह से लिखा गया है कि मामले से निपटने वाली अदालत को आरोपी पर कारावास या जुर्माना लगाने के बीच चयन करने का विवेक है।

यह पशु क्रूरता के अपराधियों को अधिकांश मामलों में केवल जुर्माना अदा करके पशु क्रूरता के सबसे क्रूर रूपों से बच निकलने की अनुमति देता है। कानून में स्वयं सामुदायिक सेवा के लिए कोई प्रावधान नहीं है जैसे कि सजा के रूप में पशु आश्रय में स्वयंसेवा करना, जो संभावित रूप से अपराधियों को सुधार सकता है। जानवरों के लिए पाँच मौलिक स्वतंत्रताओं का समावेश, दंडों में वृद्धि और विभिन्न अपराधों के लिए जुर्माने के रूप में भुगतान की जाने वाली धनराशि, नए संज्ञेय अपराधों को जोड़ना, मसौदा विधेयक में पशु क्रूरता के मामले से निपटने वाली अदालत के लिए दो विकल्पों के रूप में कारावास और जुर्माने का प्रावधान जारी रखा गया है।

पशुओं को मौलिक अधिकार स्पष्ट रूप से प्रदान किये गये हैं। अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) व्यक्तियों को दिए गए हैं। व्यक्ति÷ का अर्थ है मनुष्य या मनुष्यों के संघ, जैसे निगम, साझेदारी, ट्रस्ट आदि अनुच्छेद 48 गायों, बछड़ों और अन्य दुधारू और माल ढोने वाले मवेशियों के वध पर रोक लगाना और उनकी नस्ल में सुधार करना, अनुच्छेद 48ए पर्यावरण की रक्षा और सुधार तथा वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा करना, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम (पीसीए अधिनियम), 1960 जानवरों के प्रति क्रूरता का कारण बनने वाले कई प्रकार के कार्यों को अपराध मानता है। यह चिकित्सा उन्नति सुनिश्चित करने की दृष्टि से प्रयोगों के लिए जानवरों के उपयोग की छूट देता है।

भले ही विधेयक का मसौदा कानून बन जाए, फिर भी अपराधियों के लिए मामूली जुर्माना भरना और अत्यधिक क्रूरता के कुछ कृत्यों के लिए कारावास से बचना संभव होगा। अपनी सीमाओं के साथ, मसौदा विधेयक का अधिनियमन भारत में पशु कानून के लिए एक बड़ा कदम हो सकता है। भारत को दुनिया के सभी देशों के लिए एक महान उदाहरण स्थापित करना चाहिए। हमें एक उदाहरण स्थापित करना चाहिए, इसलिए नहीं कि मुझे लगता है कि हम श्रेष्ठ हैं लेकिन क्योंकि हमने किसी भी अन्य देश की तुलना में कहीं अधिक अहिंसा के बारे में बात की है, इसलिए जितना अधिक हम इसके बारे में बात करेंगे, इसे व्यवहार में लाने की जिम्मेदारी उतनी ही अधिक होगी। नई सरकार को यह जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए ताकि पीसीए अधिनियम (1960) में संशोधन अंततः दिन के उजाले को देख सके।

अनुच्छेद 21 में अधिकार केवल मनुष्यों को प्रदान किया गया है लेकिन जीवन शब्द के विस्तारित अर्थ में अब बुनियादी पर्यावरण में गड़बड़ी के खिलाफ अधिकार शामिल है, इसका अर्थ यह होना चाहिए कि पशु जीवन के साथ भी आंतरिक मूल्य, सम्मान और गरिमा के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि संविधान केवल मनुष्यों के अधिकारों की रक्षा करता है, लेकिन जीवन शब्द का अर्थ आज केवल अस्तित्व से कहीं अधिक समझा जाता है; इसका मतलब एक ऐसा अस्तित्व है जो हमें, अन्य बातों के अलावा, एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में रहने की अनुमति देता है।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

तालमेल और सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता

गेहूं और सरसों की फैसल तैयार है, मंडियों में खरीदारी शुरू हो गई है। कुछ मंडियों में सुचारू रूप से खरीदारी हो रही है किंतु ऐसी बहुत सी मंडियां हैं, जहां किसानों को परेशानियां झेलनी पड़ रही है।कहीं बारिश और ओले के कारण खेत में अनाज गीला हो गया है तो कहीं मंडी में खुले आसमान के नीचे। किसान की गाढ़ी कमाई पर पानी फिर रहा है, अधिकारी नम माल लेने से मना कर रहे हैं।मंडियों में अव्यवस्था के कारण किसान का सब्र टूट रहा है और कुछ जगहों पर किसानों ने अपना रोष भी प्रकट किया है। अनेक मंडियों में उठान की स्थिति खराब है, शेड में, बाहर सड़क पर माल पड़ा है, टोकन काटने की व्यवस्था ठीक नहीं है। कभी-कभी मंडी के आगे मीलों लंबी लाइन लग जाती है, रात रात भर किसान को जागकर अपने माल की सुरक्षा करनी पड़ती है। मूलभूत सुविधाओं जैसे पीने का स्वच्छ पानी, शौचालय और साफ-सफाई का अभाव है।मंडी को जाने वाली सड़कों में गड्ढे, अवैध रूप से खड़े वाहन और आवारा पशु, जगह-जगह जाम की समस्या से किसानों को जूझना पड़ता है। कुछ मंडियों में कंप्यूटर ऑपरेटर और स्टाफ की कमी है तो कुछ में तौल के लिए कांटे की व्यवस्था भी समय पर नहीं हो पाई। आवश्यक मात्रा में बारदानों (कट्टों) का अभाव भी परेशानी का कारण बन जाता है। यद्यपि सभी मंडियों में ऐसी अव्यवस्था नहीं है किंतु काफी संख्या में ऐसे मंडी है जहां व्यवस्था सुधार की एवं मंडी प्रबंधकों और सरकारी विभाग के बीच तालमेल और सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि किसान आसानी से अपनी फसल बेच सकें।अनाज की खरीद के सीजन में मंडियों से जो रिपोर्ट आ रही हैं वे चिंताजनक हैं। चरखी दादरी में पहले ही दिन मंडी में हजारों किसान फसल लेकर पहुंचे, लंबी लाइन लग गई, किसानों के वाहन घंटों जाम में फंसे रहे, पुलिस और प्रशासन को स्थिति संभालने के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ी। बैकडोर से टोकन लेने और व्यापारियों के वाहनों को बैकडोर से एंट्री देने के आरोप लगे। रोहतक की एक मंडी में किसानों को मजबूरी में अपनी फसल प्राइवेट कंपनियों को बेचने के आरोप लगे। ओला और बे मौसम बारिश की वजह से वहां फसल खराब हुई, अधिकारी फसल में नमी के कारण खरीद नहीं कर रहे थे।सोनीपत के गन्नौर में मंडी सेक्रेटरी और अधिकारियों की मिलीभगत से किसानों को जो नुकसान हुआ उससे उनमें जबरदस्त रोष था, मंडी पर उन्होंने ताला लगा दिया। पोर्टल पर फसल रजिस्ट्रेशन करवाने में भी धांधली के आरोप लगे। जहां किसान की 5 से 6 एकड़ का रजिस्ट्रेशन था वहां अधिकारी 1 से 2 एकड़ का माल ही खरीद रहे थे। भिवानी की एक मंडी में हजारों क्विंटल सरसों खरीद के बाद कट्टों में पड़ी बारिश में भीग गई, बचाव का कोई इंतजाम नहीं था।पूरी मंडी पानी से तरबतर थी, फसल की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ा जिसका खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। मौसम खराब होने की आशंका से किसानों ने भारी मजदूरी देकर समय से फसल कटवा दिया था और अब जब फसल लेकर मंडी पहुंचे तो वहां मौसम की मार झेलनी पड़ी। सरसों का रंग भूरा हो गया और उसकी गुणवत्ता कम हो गई। सिरसा की मंडी में उठान की स्थिति बेहद खराब रिपोर्ट की गई। उठान के लिए एजेंसियों का चुनाव समय से नहीं हुआ। गेहूं की आवक एकाएक बढ़ जाने से अधिकारियों के हाथ पैर फूलने लगे, टोकन काटने के लिए पर्याप्त मात्रा में कर्मचारी नहीं थे, ना ही पूरे कंप्यूटर ऑपरेटर। नियमानुसार फसल उठान ट्रकों द्वारा किया जाना चाहिए किंतु एजेंसी ट्रैक्टर-ट्राली द्वारा करा रही है जो सस्ती पड़ती है। यह तब हो रहा है जब ट्रैक्टर के कमर्शियल उपयोग पर रोक लगी हुई है। पंजाब की मंडियों में फसल पहुंच रही है, लेकिन खरीद का पुख्ता इंतजाम बहुत कम मंडियों में है।मेरी फसल मेरा ब्योरा' के तहत प्रदेश के 9.25 लाख किसानों ने फसल बेचने के लिए 6.45 लाख एकड़ का पंजीकरण कराया। आरोप लगाया जा रहा है कि 10. 40 एकड़ रकबा ऐसा है, जिसका डेटा मिसमैच कर रहा है। मध्य प्रदेश के कई मंडियों में समय से उठान न होने से आवारा पशुओं से अनाज की रक्षा के लिए किसान रात रात भर जाकर अपने फसल की रक्षा करते हैं। अवैध रूप से ट्रक खड़े रहते हैं, मंडी को जोड़ने वाली सड़कों में गड्ढे, सफाई की कमी और मंडी में अतिक्रमण जैसी अव्यवस्था से किसान जूझ रहे हैं।देश के लगभग सभी प्रदेशों में मंडियों की व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता।

पिछले वर्ष इन्हीं दिनों दिल्ली की नरेला मंडी, जो एशिया की सबसे बड़ी अनाज मंडी है, उसमें करोड़ों रु पए का अनाज भीग गया था, बारिश से बचाव का कोई पुख्ता इंतजाम नहीं था। मंडियों में व्यवस्था के खिलाफ आढ़तियों की अपनी शिकायतें हैं। उनका मानना है कि उन्हें जो आढ़त मिलती है वह कम हैं, उनके खर्चे पूरे नहीं होते, उसमें बढ़ोतरी होनी चाहिए। मंडी के श्रमिकों के पारिश्रमिक के बारे में भी सरकार को विचार करना चाहिए खाद्य पदाथरे और जीवन की आवश्यकता की वस्तुओं की कीमतें दिनों-दिन बढ़ रही है श्रमिकों की मजदूरी भी बढ़ाई जानी चाहिए।किसानों को मंडी में अपनी मेहनत का पूरा पैसा मिले इसके लिए आवश्यक है कि निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम दर पर खरीद ना की जाए। जहां अनाज में नमी उनकी गलती से ना हो उसके लिए उन्हें क्यों दंडित किया जाए? मंडियों में मूलभूत सुविधाएं जैसे पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई, खाने पीने की व्यवस्था और किसानों के रुकने की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। मंडियों से जुड़ी सड़कों को पक्की किया जाना चाहिए जहां अभी ऐसा नहीं है। खरीद के सीजन में जाम न लगे इसकी व्यवस्था भी स्थानीय प्रशासन को पहले से ही करना चाहिए। मंडी प्रशासन चुस्त एवं भ्रष्टाचार मुक्त होना चाहिए।

-प्रो. लल्लन प्रसाद-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

कोविड 19 टीकाकरण में इस्तेमाल दवाईयों के दुष्प्रभाव और उठते सवाल

केशी गुप्ता
द्वारका दिल्ली

2019 में अचानक से एक ऐसी महामारी ने विश्व को घेर लिया जिसे कोविड-19 का नाम दिया गया। यह एक ऐसे महामारी थी जिसने पूरे विश्व को हिला दिया। ऐसा माना जाता है कि इसका उद्गम चीन से हुआ । विश्व भर में असंख्य लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा । संपूर्ण अर्थवयवस्था डगमगा गई । महीनो का लॉकडाउन लगा कर लोगो को घरों मे बंद कर दिया। यहां तक की कोई किसे के सुख दुख मे शामिल न हो सका । आदमी आदमी से कट गया ।कोविड की दूसरी लहर में लोगो के घर तबाह हो गए । एक एक घर से कई कई लाशे उठी । ऑक्सीजन की कमी और अस्पतालों मे व्यवस्था की कमी ने लोगों के दिलों में डर पैदा कर दिया। सरकार द्वारा इस महामारी से जूझने के लिए कई नियम लागू किए गए। जिनमे लॉकडाउन, मास्क का पहनना अनिवार्य,अधिक संख्या मे लोगों का इकठ्ठा ना होना तथा बिना वैक्सीन के किसी भी तरह की यात्रा पर रोक प्रमुख थे।

कोविड के दौरान संपूर्ण भारत में कोविड शील्ड और कोवैक्सिन का टीकाकरण किया गया । जो मोदी सरकार के संरक्षण में हुआ । जिसके लिए आधार कार्ड अनिवार्य था । जनता को जो टीकाकरण का प्रमाणपत्र दिया गया उस पर प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर छापी गई। इस वैक्सिन को ले कर पहले भी कई तरह के सवाल मतभेद उठे । शुरुआत में कई लोगों ने इसे महत्व नहीं दिया परंतु यात्रा पर प्रतिबंध तथा मौत की दहशत ने लोगों को टीकाकरण करवाने पर मजबूर किया। कोवैक्सीन को ले कर डब्ल्यू एच ओ ने भी कई तरह के सवाल उठाए थे। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसे मान्यता नहीं दी गई थी । आम जनता के बीच इन वैक्सिंस को ले कर शक बना रहा। लोगों का मानना था कि इन वैक्सिंस की वजह से उन्हें अन्य कई तरह की त्वचा संबंधी, हार्ट संबंधी समस्याएं हो रही है। कोविड के बाद से हार्टटैक के मामले बढ़ गए हैं। जवान लोगों की हार्टटैक से मौत हो रही है। हाल ही में कोविड शील्ड को ले कर यह तथ्य सामने आया है कि खुद कंपनी इस बात को मान रही है कि इस वैक्सिन के दुष्प्रभाव है और इस की वजह से खून के क्लॉट्स बन सकते है । जो जानलेवा हो सकते है। तथाकथित तथ्यों पर आधारित स्वस्थ मंत्रालय द्वारा कोविन एप से प्रधानमंत्री की फोटो को कोड ऑफ कंडक्ट को ध्यान में रखते हुए हटा देने का निर्देश दिया गया है। सवाल यह उठता है कि इस से पहले क्या विभाग को इस कोड ऑफ कंडक्ट की जानकारी नहीं थी? क्यों वैक्सीन की जांच को नजरंदाज किया गया? पूरे मापदंड को ध्यान में क्यों नहीं रखा गया? क्या आम जनता की जान की कोई कीमत नहीं? यह कहना गलत नही होगा कि इलेक्ट्रोल बॉन्ड मुद्दे के बाद ऐसे कई खुलासे सामने आ रहे है । महामारी के समय में एक ओर ऐसे लोग थे जिन्होंने अपनी जान की परवाह ना करते हुए जनसेवा की। दूसरी ओर वह लोग भी थे जिन्होंने इस महामारी के समय में भी पैसे को अहमियत दी। समय बदल जाता है परन्तु इतिहास रच जाता है ।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर ....न्यायालय........... के अधीन होगा।

C M Y K

महतारी वंदन योजना का इंतजार तो कांग्रेसियों को भी रहता है : विष्णुदेव साय

आपके हर वोट से छत्तीसगढ़ में काम होगा सांय-सांय

- संवाददाता -
सूरजपुर/सरगुजा,03 मई 2024
(घटती-घटना)।

सरगुजा लोकसभा अंतर्गत सूरजपुर जिले के प्रेमनगर में आयोजित विजय संकल्प आमसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि लोकसभा 2024 का चुनाव सामान्य चुनाव नहीं है, इस पर पूरी दुनिया की नज़र टिकी है। यदि तीसरी बार देश की बागडोर पीएम मोदी के हाथों में सौंपी गई तो यह विकसित और सम्पन्न छत्तीसगढ़ की गारंटी होगा। उन्होंने कहा, दो चरणों के बाद ही हार मान चुकी कांग्रेस अब संविधान और आरक्षण खत्म करने का झूठ फैला रही है। मैं पूछना चाहता हूं आपातकाल लगाने वाली कांग्रेस की आखिर मंशा क्या है ? उन्होंने कहा, आज हर गरीब को मुफ्त राशन मिल रहा है,इसलिए कांग्रेस के पेट में दर्द होना स्वाभाविक है। श्री साय ने कहा महतारी वंदन की तीसरी किश्त भी आ गई, कांग्रेस के जो लोग कहते थे सिर्फ एक है किश्त आएगी वह हर एक तारीख को चेक कर लिया करेंगे।

श्री साय ने कहा भारत विश्व की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, मोदी जी इसे टॉप -3 में लाना चाहते हैं, ऐसे में उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना बहुत जरूरी है। श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आगामी तीसरे चरण के लिए 7 मई को होने वाली वोटिंग में सरगुजा समेत सभी सात सीटों पर कमल खिलेगा। उन्होंने कहा अबकी बार चार सौ पार के मन्त्र को सफल बनाने के लिए प्रदेश की सभी सीट मोदी जी को जिताकर देना है। श्री साय ने कहा कि विधानसभा चुनाव में जिस तरह सरगुजा संभाग में कांग्रेस विलुप्त हो गई, उससे भी बुरी स्थिति लोकसभा चुनाव में भी होगी। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा, कांग्रेस पार्टी में ही जब महिलाएं अत्याचार का शिकार हैं तो इनकी सोच का आकलन किया जा सकता है।

विजय संकल्प आमसभा को संबोधित करते हुए विधायक प्रेमनगर भूलन सिंह मरावी ने कहा कि पांच साल में छत्तीसगढ़ में जो काम कांग्रेस नहीं कर पाई वह हमारे मुख्यमंत्री ने तीन महीने में कर दिखाया। अब हर पोलिंग बूथ में मोदी जी और विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में पूरी हुई गारंटियों पर विजय की मुहर लगेगी। इस मौके पर भाजपा सूरजपुर जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल ने कहा कि मातृशक्ति की जिस तरह पीएम मोदी जी और सीएम विष्णु देव साय जी ने चिंता की है, उनके लिए योजनाएं लागू की है, उन्हें उज्जवला, घर और महतारी वंदन का पैसा दिया है, उसके बाद अब भाजपा को तीसरी बार केंद्र की सत्ता में लाना हमारी जिम्मेदारी है।

डाइट के असुरक्षित पानी टंकी में डूबने से मासूम की मौत मामले में मां ने न्यायालय में दायर किया परिवाद

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 मई 2024
(घटती-घटना)।

डाइट अंबिकापुर में असुरक्षित ढंग से बने पानी टंगी में डूबने से 4 वर्षीय मासूम बच्ची की मौत 12 मर्च को हो गई थी। मृतका की मां शिक्षिका है। वह घटना दिवस अपनी मासूब बेटी को लेकर प्रशिक्षण लेने डाइट आई थी। घटना के बाद मामले में पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाकर मृतका की मां ने न्यायालय में परिवाद दायर किया है।

आवेदिका कलावती लखनपुर के भंडारपारा बेलगदी शासकीय प्राथमिक शाला में शिक्षिका है। 11 से 13 मार्च तक डाइट अंबिकापुर में एफएलएन का प्रशिक्षण चल रहा था। प्रशिक्षण के दूसरे दिन आवेदिकन अपनी 4 वर्षीय बेटी ध्वनि को लेकर प्रशिक्षण लेने आई थी। मासूम बच्ची प्रशिक्षण कक्ष के बाहर आंगन में खेल रही थी और आवेदिका प्रशिक्षण ले रही थी। इसी बीच दोपहर करीब 12 बजे अचानक बच्ची गायब हो गई। कलावती व अन्य लोग बच्ची को खोजने लगे। पर बच्ची का पता नहीं चल रहा था। इस दौरान कलावती संस्था की तात्कालीन प्राचार्या से उसे ढूंढने में मदद करने निवेदन किया,साथ ही प्राचार्या को संस्था में लगे सीसीटीवी के माध्यम से उसकी बेटी को खोजने का कई बार निवेदन किया। परन्तु प्राचार्या द्वारा जानबूझकर कलावती के निवेदन को ठुकरा दिया गया तथा संस्था में लगे सीसीटीवी के फुटेज को तुरन्त नहीं देखा गया। कुछ देर बाद संदेह होने पर लोगों ने डाइट के आंगन में असुरक्षित ढंग से बने भूमिगत पानी टंगी में देखा तो बच्ची मानी में डूबी थी। उसे संस्था के ही एक कर्मचारी द्वारा तत्काल बाहर निकाला गया और बच्ची को इलाज के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। दायर परिवाद में मृतका की मां कलावती ने आरोप लगाया है कि निवेदन के बाद तत्काल प्राचार्या द्वारा सीसीटीवी फुटेज जांच करा दी जाती तो मेरी बेटी के टंगी में गिर जाने का पता चल जता और उसे सहय रहते बाहर निकाल लिया जाता। पर निवेदन के बाद भी प्राचार्या द्वारा सीसीटीवह की जांच नहीं कराई गई। उन्होंने अपने पदीय कर्तव्यों में घोर लापरवाही एवं उपेक्षापूर्ण दायित्व को दर्शाता है। मृतका की मां ने संस्था के प्राचार्या शशि सिंह पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए 24 मार्च को कलावती शिकायत दर्ज कराई थी और सीसीटीवी फुटेज की मांग की थी। मृतका के मां की शिकायत के बाद भी पुलिस द्वारा कोई भी संज्ञान नहीं लिया गया और न ही सीसीटीवी फुटजे की मांग की गई। इसके बाद कलावती ने कलेक्टर सरगुजा को कार्यवाही हेतु एक शिकायत आवेदन प्रस्तुत किया गया था। उपरोक्त सभी आवेदनों पर पुलिस एवं जिला प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही आज पर्यन्त तक नहीं की गई है। पुलिस व जिला प्रशासन की उदासीनता को देखते हुए कलावती ने न्यायालय में परिवाद पेश किया है।

हम महतारी वंदन करते हैं कांग्रेस में एक परिवार का वंदन करना होता है : लक्ष्मी रजवाड़े

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 मई 2024
(घटती-घटना)।

राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े ने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में मातृशक्ति तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश की बागडोर सौंपने का मन बना चुकी है। छत्तीसगढ़ के हमारे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में महतारी वंदन जैसी योजनाएं महिला सशक्तिकरण का नया अध्याय लिख रही हैं। कांग्रेस कहती थी महतारी वंदन योजना की पहली किश्त नहीं आएगी, जबकि तीसरी किश्त भी जारी हो चुकी है। मंत्री श्रीमती रजवाड़े ने कहा कि एक ओर भाजपा में मातृशक्ति का मान सम्मान बढ़ रहा है वहीं कांग्रेस में पार्टी के भीतर ही महिला नेत्रियों का अपमान हो रहा है। उन्होंने पूछा कि कॉंग्रेस नेत्री प्रियंका गाँधी का क्या यही न्याय है ? आखिर महिलाओं की प्रताड़ना पर वह ख़ामोश क्यों हैं ? उन्होंने महिला मतदाताओं से आह्वान करते हुए कहा कि चुनाव के आगामी चरणों में महिला मतदाता बढ़चढ़कर वोट डालें तथा कांग्रेस की डूबती नैया को पूरी तरह डुबोने का कार्य करें। श्रीमती रजवाड़े ने यह भी कहा कि आदिवासी और पिछड़ों का यदि कोई कल्याण कर सकता है तो वह भाजपा ही है। भाजपा की नरेन्द्र मोदी सरकार ने अपने दस वर्षों के कार्यकाल में पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देकर पिछड़ों को आरक्षण का लाभ देने सहित अनेक कार्य किए हैं जिससे पिछड़ा वर्ग समाज मजबूत हुआ है। यही कारण है कि इस चुनाव में आदिवासी, दलित तथा पिछड़ा वर्ग सहित समाज के सभी वर्गों का भरपूर समर्थन मोदी जी व भाजपा को मिलने जा रहा है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा अब 5 मई को आयेंगे सूरजपुर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 मई 2024
(घटती-घटना)।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जी अब 5 मई को सूरजपुर आयेंगे तथा विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। यह जानकारी देते हुए भाजपा सरगुजा संभाग प्रभारी राजा पांडे ने बताया कि पूर्व में 4 मई को प्रस्तावित जेपी नड्डा जी के कार्यक्रम में संशोधन हुआ है, अब वो 5 मई दिन-रविवार को सूरजपुर के अग्रसेन मैदान में विशाल जनसभा को संबोधित करने पहुंचेंगे। उन्होंने बताया कि भाजपा लोकसभा प्रत्याशी चिंतामणी महाराज के समर्थन में आयोजित भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जी की सभा को लेकर भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ताओं में ज़बर्दस्त उत्साह है। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह सहित प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेतागण भी शामिल होंगे।

सरगुजा के हर मतदाता का वोट विकास की नींव बनेगा : चिंतामणि महाराज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 मई 2024
(घटती-घटना)।

सरगुजा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी चिंतामणि महाराज ने ग्राम करजी,कांतिप्रकाशपुर, केशवपुर समेत अनेक गांव और कस्बे में जनसंपर्क किया। इस मौके पर चिंतामणि महाराज ने कहा कि देश को यदि मज़बूत नेतृत्व चाहिए तो तीसरी बार मोदीजी को पीएम बनाना होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोगों का वोट हासिल करने के लिए संविधान और आरक्षण खत्म होने का झूठ फैला रही है जबकि जनता इस झूठ को पहचान चुकी है, वह इस चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी की जमानत जब्त कराकर भाजपा को अपना आशीर्वाद देगी। चिंतामणि महाराज ने कहा कि मोदी जी ने छत्तीसगढ़ को पहला आदिवासी सीएम देने का कार्य किया है। सरगुजा के माटी पुत्र श्री विष्णु देव साय जी की प्रदेश सरकार ने सरगुजा के विकास को नई ऊंचाई दी है, उनकी कैबिनेट में तीन सदस्य हमारे सरगुजा अंचल से हैं तथा इसका पूरा लाभ सरगुजा क्षेत्र को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के बाद वो लोकसभा में सरगुजा से जुड़े जन सरोकार के हर मुद्दे को आवाज देंगे, तथा मोदी सरकार की योजनाओं का लाभ आम जनता को दिलाने हेतु सतत प्रयत्नशील रहेंगे।

चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में 3 दिन से जंगल में लगा भीषण आग,तेंदूपत्ता जलकर हो गया खाख

- संवाददाता -
सूरजपुर,03 मई 2024
(घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में एक बार फिर 3 दिनों से जंगल में भीषण आग लगा हुआ है जहां एक सप्ताह बाद 10 मई तेंदूपत्ता का भी तोड़ाई शुरू होने वाला है जंगल में आग लगने से तेंदूपत्ता जलकर खाक हो जा रहा है ग्रामीणों से प्राप्त जानकारी के अनुसार बिहारपुर क्षेत्र के क?ई जगह जैसे रामगढ़ ,कछवारी, कोल्हुआ बसनारा सहित आस पास के जंगलों में 3दिनों से भीषण आग लगा हुआ है जिससे गांव के ओर आग का धुवा प्रभावित कर रहा है क?ई बीमारी को न्योता दे रहा है वन विभाग ईश्वर कोई ध्यान नहीं दे रहा है

ग्रामीणों ने इसका जानकारी वन विभाग को दे दिया है लेकिन समाचार लिखे जाने तक वन विभाग एवं गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान का टीम आग बुझाने में कोई प्रयास नहीं किया जा रहा क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारी रेंजर बिहारपुर क्षेत्र से नदारत है

वन विभाग एवं गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान द्वारा लगातार बड़े-बड़े दावा किए जाते हैं कि रायपुर से ही आग पता चल जाता है सेटेलाइट की जारिए लेकिन 3दिन से लगे जंगल में आग का जानकारी अभी तक उच्च अधिकारियों को नहीं लगा वही सेटेलाइट का दावा नाकाम साबीत हो रहा है। आग लगने से बड़े-बड़े पेड़ पौधा जल कर खाक हो रहे है वही जंगली जानवर गांव के ओर रुख कर रहे है ग्रामीणों को खतरा बना हुआ है

इसके बारे में जब बिहारपुर रेंजर मेवालाल पटेल से बात किया गया तो उनके द्वारा बताया गया की कल बसनारा में आग लगा था इसको बुझा लिया गया है खोहिर में टीम भेजा जा रहा है आग बुझाने के लिए इन दिनों महुआ का सीजन भी खत्म हो गया है इसके बाद भी आग लगाया जा रहा है जिससे उनका ही तेंदूपत्ता जलकर खाक हो रहा है और नुकसान हो रहा है।

कलेक्टर-एसपी ने सुरक्षा बलों के जवानों के साथ निकाला फ्लैग मार्च

» कलाकेंद्र मैदान से निकल शहर के मुख्य चौक चौराहों से होते हुए सद्भावना चौक में फ्लैग मार्च का हुआ समापन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 मई 2024
(घटती-घटना)।

लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत जिले में 7 मई को मतदान होना है। इससे पहले शांतिपूर्ण,निष्पक्ष, निर्भीक एवं भयमुक्त वातावरण में चुनाव संपन्न करवाने हेतु शुक्रवार को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विलास भोस्कर एवं पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने 200 से ज्यादा सुरक्षा बलों के जवानों के साथ शहर में फ्लैग मार्च निकाला। इस दौरान सीआरपीएफ, एसएपी असम, सीएएफ एवं पुलिस के हथियारबंद जवान शहर के कलाकेंद्र मैदान से मुख्य चौक घड़ी चौक, संगम चौक, महामाया चौक से मुख्य मार्गों में होते हुए सद्भावना चौक पहुंचे। फ्लैग मार्च में कलेक्टर-एसपी ने शत प्रतिशत शांतिपूर्ण मतदान की सभी से अपील की।

कलेक्टर श्री भोस्कर ने कहा कि जिले में शांतिपूर्ण निर्वाचन संपन्न करवाने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, सीआरपीएफ की कंपनियों के संयुक्त तत्वाधान में फ्लैग मार्च निकाला गया है। जिले में लगभग 2200 का सुरक्षा बल लगा है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में सुगम निर्वाचन सम्पन्न कराए जाने हेतु जिला तथा पुलिस प्रशासन की टीम तैयार है। पुलिस अधीक्षक श्री अग्रवाल ने कहा कि सुरक्षा बल के जवानों के साथ शहर के संभावित संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च किया गया है, जिले में तीन चरणों में सुरक्षा व्यवस्था बनाई गई है। आज 200 से ज्यादा सुरक्षा जवानों के साथ राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों द्वारा फ्लैग मार्च किया गया है। उल्लेखनीय है कि फ्लैग मार्च के माध्यम से मतदान को प्रभावित करने वाले तत्वों को कड़ी चेतावनी के साथ संदेश दिया जा रहा है कि मतदान के दौरान किसी भी प्रकार की अशांति या असामाजिक कार्य कर जिले की शांति भंग करने वालों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो, पुलिस एवं जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे।

नृशंस हत्याः

सनकी पूर्व मंत्री ने बीवी को पीट-पीटकर सुलाया मौत की नींद

कजाखस्तान में हो सकती है 20 साल की जेल

कजाखस्तान,03 मई 2024। कजाखस्तान के पूर्व मंत्री कुआंडिक बिशिम्बायेव पर अपनी पत्नी साल्टानैट नुकेनोवा की पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप लगा है और इस वारदात की सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। अब एक बार फिर से कजाखस्तान में इस हत्याकांड की चर्चा हो रही है। 31 वर्षीय साल्टानैट नुकेनोवा को नवंबर 2023 में एक रेस्तरां में मृत पाया गया था। इस रेस्तरा में नुकेनोवा ने अपने पति और कुआंडिक बिशिम्बायेव के साथ रात बिताई थी। बताया गया था कि यह रेस्तरां कुआंडिक के किसी रिश्तेदार का है।

अदालत में दिखाई गया आठ घंटे का वीडियो

अदालत में हुई सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने न्यायाधीश को आठ घंटे लंबा सीसीटीवी वीडियो दिखाया गया, जिसमें पूर्व मंत्री अपनी पत्नी को बुरी तरह से पीटते नजर आ रहे हैं। वीडियो में यह भी दिखा कि 44 वर्षीय कुआंडिक अपनी 31 वर्षीय पत्नी को हाथ और घूंसों से पीट रहे हैं। इसके बाद पूर्व

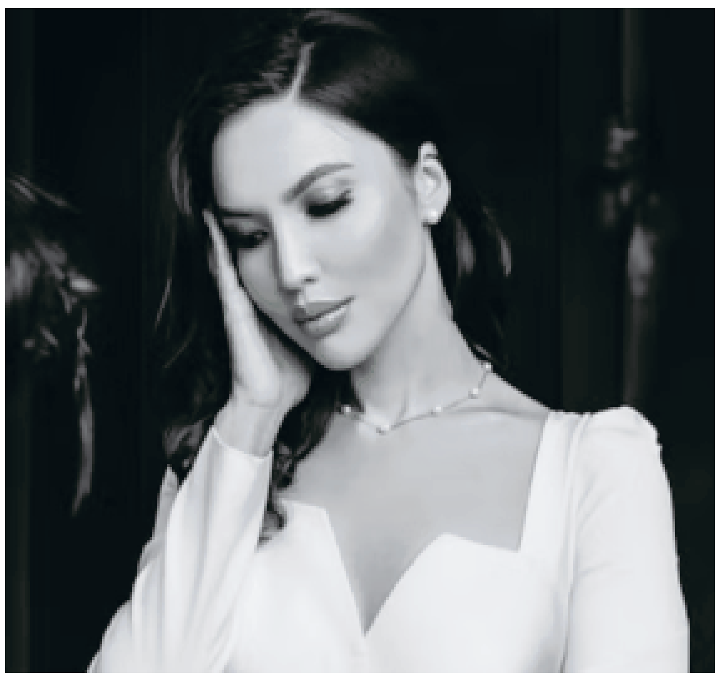

मंत्री अपनी पत्नी साल्टानैट नुकेनोवा के बालों से खींचकर उस कमरे में ले जाते दिखते हैं, जहां कोई कैमरा नहीं था।

पूर्व मंत्री ने अपनी पत्नी को बेरहमी से पीटा- वकील

सरकारी वकील ने सुनवाई के दौरान कहा कि जब नुकेनोवा ने शौचालय में छिपने की कोशिश की, तो बिशिम्बायेव ने दरवाजा तोड़ दिया और अपनी पत्नी को बाहर निकालकर पिटाई जारी रखी। उन्होंने आगे कहा कि शौचालय से बाहर निकलने के बाद बिशिम्बायेव ने नुकेनोवा को गला दबोचा, जिस वजह से वह अपने होश खोने लगीं। जब वह खून से लथपथ होकर फर्श पर गिरीं, तो बिशिम्बायेव ने उस भविष्यवक्ता को फोन किया, जिसने नुकेनोवा के सुखद भविष्य का आश्वासन दिया था। इस घटना के 12 घंटे के बाद एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घटनास्थल पर ही पूर्व मंत्री की पत्नी को मृत घोषित कर दिया।

बिशिम्बायेव को हो सकती है 20 साल की कैद

एक रिपोर्ट के अनुसार साल्टानैट नुकेनोवा की मौत मस्तिष्क आघात (ब्रेन ट्रॉमा) की वजह से हुई। उनकी नाक की एक हड्डी टूट गई थी और चेहरे, सिर और हाथों पर कई चोटें थीं। उनके पति कुआंडिक बिशिम्बायेव पर अत्यधिक यातना और हिंसा के साथ हत्या का आरोप लगाया गया है, जिस वजह से उन्हें 20 साल तक जेल की सजा भुगतनी पड़ सकती है। कजाखस्तान के लोग अदालत में चले हत्या के मुकदमे को सोशल मीडिया पर देख रहे हैं और देश में लैंगिक समानता को लेकर नई बहस छिड़ गई है।

2017 में भी बिशिम्बायेव को रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और 10 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। लेकिन, माफी और पैरोल की बदौलत तीन साल से कम समय तक सलाखों के पीछे रहने के बाद वह रिहा हो गए थे।

अनियंत्रित होकर यात्री बस पहाड़ी से नीचे गिरी,20 लोगों की मौत-15 से अधिक घायल

पेशावर ,03 मई 2024। उत्तर पश्चिम पाकिस्तान में शुक्रवार को एक यात्री बस पहाड़ी इलाके से फिसलकर खड्ड (नाले) में गिर गई। इस हादसे में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक घायल बताए जा रहे हैं। मृतकों का आंकड़ा बढ़ सकता है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र के डायमेर जिले में काराकोरम राजमार्ग पर हुई। बस रावलपिंडी से हुंजा जा रही थी। इस दौरान चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया।

अधिकारी ने बताया कि यह स्पष्ट नहीं है कि बस में कितने यात्री सवार थे। घटना में घायल हुए कम से कम 15 लोगों को चिलास के एक अस्पताल में ले जाया गया है। अधिकारी ने बताया कि बचाव प्रयास जारी हैं और शवों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। अस्पताल के एक सूत्र ने बताया कि मृतकों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। सूत्र ने कहा कि मरने वालों की संख्या और बढने् की आशंका है क्योंकि घायलों में से कई की हालत गंभीर है।

गिलगित बाल्टिस्तान के मुख्यमंत्री हाजी गुलबार खान ने घटना पर शोक व्यक्त किया और प्रशासन को घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। गिल्टगिट-बाल्टिस्तान सरकार के प्रवक्ता फैजुल्लाह फराक ने कहा कि दुर्घटना के बाद चिलास अस्पताल में आपातकाल घोषित कर दिया गया है।

ब्राजील में आए भयंकर तूफान में मरने वालों की संख्या बढ़कर 29 हुई

साओ पाउलो,03 मई 2024। ब्राजील के रियो ग्रांडे डो सुल में लगातार चार दिनों तक हुई भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के बाद आए भयंकर तूफान के चलते मरने वालों की संख्या 29 हो गई है।

गवर्नर एडुआर्डो लेइट ने तूफान को राज्य के इतिहास की सबसे खराब प्राकृतिक आपदा बताते हुए कहा, दुर्भाग्य से, हम जानते हैं कि ये संख्या और बढ़ेगी।

ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने राज्य के सबसे ज्यादा प्रभावित शहरों में से एक सांता मारिया का दौरा किया और लेइट से मुलाकात की। लूला ने उरुग्वे और अर्जेंटीना की सीमा से लगे राज्य में आपातकाल से निपटने के लिए सहायता की पेशकश की।

राष्ट्रपति ने कहा, स्वास्थ्य देखभाल के लिए संघीय सरकार की ओर से मदद में कोई कमी नहीं आएगी, परिवहन और खाना आदि के लिए धन की कोई कमी नहीं होगी। हम चौबीसों घंटे प्रयास करेंगे, ताकि हम बारिश से फंसे लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा कर सकें।

चीन ने लॉन्च किया मिशन चांग ई-6

चांद की धूल और चट्टानों के नमूनों पर रिसर्च की योजना

बीजिंग,03 मई 2024। चीन ने चंद्रमा के नमूने एकत्र करने और उन्हें रिसर्च के लिए पृथ्वी पर लाने के लिए चंद्र जांच मिशन शुरू किया है। चीन ने इस अभियान का नाम मिशन चांग ई-6 दिया है। चीन के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) के अनुसार चांग ई-6 मिशन के अंतर्गत चंद्रमा के सुदूर हिस्से से नमूने इकट्ठा किए जाएंगे। इसके बाद इन नमूनों को पृथ्वी पर लाकर इन पर रिसर्च की जाएगी।

चीन का मिशन चांग ई-6

सीएनएसए का कहना है कि मानव चंद्र अन्वेषण के इतिहास में यह अपनी तरह का पहला प्रयास है। चांग ई-6 को लॉन्ग मार्च-5 Y8 रॉकेट द्वारा चांद पर ले जाया गया है। इसे हैनान प्रांत के वेनचांग अंतरिक्ष प्रक्षेपण स्थल से प्रक्षेपित किया गया। एक रिपोर्ट के अनुसार चांग ई-6 में ऑर्बिटर, लैंडर, एसेंडर और री-एंट्री मॉड्यूल के रूप में चार घटक शामिल हैं।

चंद्रमा पर मौजूद धूल और चट्टानों पर रिसर्च की योजना

इस मिशन के तहत चंद्रमा पर मौजूद धूल और चट्टानों को इकट्ठा किया जाएगा। इसके बाद इन नमूनों को री-एंट्री मॉड्यूल में स्थानांतरित करने के लिए एसेंडर की मदद से ऑर्बिटर में ले जाया जाएगा। इसके

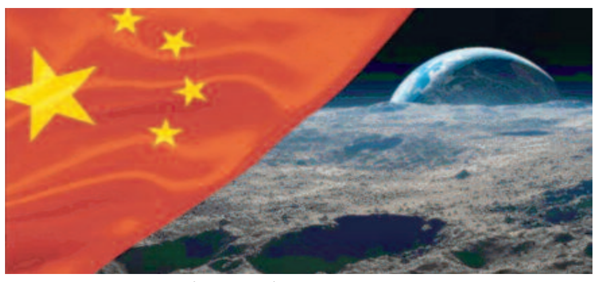

बाद ऑर्बिटर की मदद से इन नमूनों को रिसर्च के लिए पृथ्वी पर लाया जाएगा। सीएनएसए के अनुसार यह मिशन ऑटोमैटिक सैंपल कलेक्शन, टेक-ऑफ और चंद्रमा पर दूर से आरोहण जैसी प्रमुख प्रौद्योगिकियों में सफलता हासिल करने के लिए तैयार है।

सीएनएसए ने बताई ये बातें

सीएनएसए ने बताया कि चांग ई-6 मिशन के लैंडर और ऑर्बिटर पर फ्रांस, इटली और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के वैज्ञानिक उपकरण और एक पाकिस्तानी पेलोड है। इससे पहले चीन ने चंद्रमा पर मानवरहित मिशन लॉन्च किया था, जिसके तहत चंद्रमा पर एक रोवर को उतारना भी शामिल था। इसके अलावा चीन ने मंगल ग्रह पर भी एक रोवर भेजा है। चीन ने 2030 तक चंद्रमा पर मानवयुक्त लैंडिंग की योजना की भी घोषणा की है। बता दें कि पिछले साल भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 का लैंडर प्रज्ञान रोवर उतारा था। ऐसा करने वाला भारत विश्व का पहला देश बना था।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने जताई खुशी

चीनी मिशन में पाकिस्तानी ऑर्बिटर का इस्तेमाल किया गया है। आईसीयूबीई-क्यू ऑर्बिटर में चांद की सतह की छवि लेने के लिए दो ऑप्टिकल कैमरे लगाए गए हैं। ऑर्बिटर को चीन के शंघाई विश्वविद्यालय एसजेटीयू और पाकिस्तान की राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी सुपारको के सहयोग से डिजाइन और विकसित किया गया है। लॉन्चिंग के बाद पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने देश और देश के वैज्ञानिकों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह अंतरिक्ष में पाकिस्तान का पहला कदम है। परमाणु क्षेत्र की तरह ही, हमारे वैज्ञानिक, इंजीनियर और प्रतिभाशाली व्यक्ति इस क्षेत्र में भी लगन से प्रयास कर रहे हैं।

इंश्योरेंस कंपनी ने किया दुर्घटनाग्रस्त वाहन का बीमा दावा निरस्त

जिला उपभोक्ता आयोग ने 21 लाख रुपये 6% ब्याज के साथ 45 दिन में भुगतान करने दिया आदेश

छत्तीसगढ़ इंश्योरेंस कंपनी ने किया दुर्घटनाग्रस्त वाहन का बीमा दावा निरस्त, जिला उपभोक्ता आयोग ने 21 लाख रुपये 6% ब्याज के साथ 45 दिन में भुगतान करने कहा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 मई 2024 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर दुर्घटनाग्रस्त वाहन का बीमा दावा इंश्योरेंस कंपनी द्वारा निरस्त करने के मामले में पेश किए गए परिवाद पर जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग अंबिकापुर, सरगुजा ने बीमा कंपनी को आदेश दिनांक से 45 दिनों के अंदर वाहन में हुई क्षति की क्षतिपूर्ति स्वरूप 21 लाख रुपये देने का आदेश दिया है। उक्त राशि पर परिवाद प्रस्तुति दिनांक 09 नवंबर 2023 से क्षतिपूर्ति के वास्तविक भुगतान तिथि तक 6 प्रतिशत प्रतिशत साधारण वार्षिक ब्याज भी देय करना होगा। आदेश में यह भी उल्लेख है कि चूंकि परिवादी को एवार्ड की राशि पर ब्याज दिलाई जा रही है, इसलिए परिवादी को पृथक से मानसिक व्यथा की क्षतिपूर्ति हेतु ब्याज के अलावा अन्य कोई राशि स्वीकृत नहीं की गई है। परिवादी द्वारा परिवाद में किए गए व्यय का आंकलन पांच हजार रुपये करते हुए बीमा कंपनी को इसका भी भुगतान करने के लिए कहा गया है।

जानकारी के मुताबिक बलरामपुर जिला के ग्राम प्रेमनगर, थाना बसंतपुर, तहसील वाड्रफनगर निवासी रमन कुमार यादव पिता राम औतार यादव 30 वर्ष ने उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में अपने अधिवक्ता के माध्यम से परिवाद दायर करते हुए बताया था कि वाहन पंजीयन क्रमांक सीजी 04 एमबी 9970 का बीमा वह 23 अगस्त 2022 से 22 अगस्त 2023 तक के लिए मेगमा एचडीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा शाखा प्रबंधक अंबिकापुर से कराया था। बीमित वाहन उड़ीसा प्रदेश के कोयडा से आयरन लोड कर रायगढ़ आ रहा था। उक्त वाहन जमुडीही के पास पहुंचते ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया और लोड माल गिरकर बिखर गया, वाहन पूर्णतः क्षतिग्रस्त हो गई थी। वाहन दुर्घटना में कोई जन हानि नहीं हुई थी। वाहन दुर्घटना की सूचना संबंधित पुलिस थाना में 11 मई

2023 को दी गई, साथ ही बीमा कंपनी को भी दुर्घटना की सूचना दी गई। वाहन का स्पॉट फोटो, सर्वेयर के माध्यम से बीमा कंपनी ने कराया था, इसके पश्चात परिवादी वाहन निकलवाकर मरम्मत के लिए टोचन कर अंबिकापुर लाया और सर्विस सेंटर में खड़ा कर मरम्मत हेतु इस्टीमेट लिया। 25 मई 2023 को दिए गए इस्टीमेट के अनुसार वाहन मरम्मत में कुल खर्च 29 लाख 38 हजार 894 रुपये होना था। इस्टीमेट की राशि अत्यधिक होने के कारण दुर्घटनाग्रस्त वाहन को वह अपने निवास स्थान पर टोचन कर ले गया। इस वाहन को परिवादी 27 लाख रुपये में फाईनेंस कराया है, जिसकी मासिक ऋष्टा किस्त 62 हजार 410 रुपये निर्धारित है। इसका भुगतान वह दुर्घटना दिनांक से पूर्व तक नियमित कर रहा था, परन्तु दुर्घटना के बाद आय का स्रोत बन्द होने के कारण वह वाहन की किस्त का भुगतान नहीं कर पाया। दुर्घटनाग्रस्त वाहन का क्लेम बीमा कम्पनी के समक्ष प्रस्तुत करने पर कम्पनी ने बीमा दावा को यह कहकर निरस्त कर दिया कि वाहन के स्वरूप में छेड़छाड़ की गई है। परिवादी के बीमा दावा को निरस्त करने को सेवा में कमी बताते हुए बीमित राशि 21 लाख रुपये, मानसिक क्षति हेतु 50 हजार रुपये, न्यायालयीन खर्च हेतु 20 हजार रुपये रुपये,कुल 21 लाख 70 हजार रुपये दिलाने परिवाद प्रस्तुत किया गया था।

आयोग ने वाहन को पूर्ण नष्ट होने की परिधि में पाया

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष राकेश पाण्डेय, सदस्य नवनी कान्त दत्ता व अर्चना सिन्हा ने परिवादी के अधिवक्ता की ओर से पेश किए गए परिवाद पर अंतिम तर्क में उपस्थित बीमा कंपनी के शाखा प्रबंधक व इनके अधिवक्ता के तर्क को 15 अप्रैल 2024 को सुना और वाद प्रश्नों की रचना के बाद आदेश जारी किया कि हम परिवादी के वाहन में हुई क्षति की गणना के लिए वाहन को पूर्ण नष्ट (टोटल लॉस) होने की परिधि में पाते हैं तथा अनावेदक बीमा कंपनी के द्वारा परिवादी के वाहन में हुई क्षति की क्षतिपूर्ति स्वरूप 21 लाख रुपये आईडीव्ही मूल्य के बराबर क्षतिपूर्ति राशि दिया जाना उचित होगा। बीमा कंपनी को उक्त राशि आदेश दिनांक से 45 दिनों के अन्दर परिवादी को देना होगा, वहीं परिवाद प्रस्तुति दिनांक 09 नवम्बर 2023 से क्षतिपूर्ति के वास्तविक भुगतान तिथि तक 6 प्रतिशत साधारण वार्षिक ब्याज भी अदा करने कहा गया है। एवार्ड की राशि 45 दिनों में नहीं देने की स्थिति में संपूर्ण एवार्ड की राशि पर आठ प्रतिशत वार्षिक, साधारण ब्याज बीमा कंपनी परिवादी को अदा करेगी

अंधे कत्ल का खुलासा...प्रतापपुर पुलिस ने 2 विरूद्ध संघर्षरत् बालिकाओं सहित 4 को किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
सूरजपुर,03 मई 2024 (घटती-घटना)।

दिनांक 02.05.24 को वार्ड पंच विक्रम सिंह निवासी कटईपारा केंवरा से थाना प्रतापपुर पुलिस को सूचना प्राप्त हुआ कि संजय उर्फ मिथुन उम्र 35 वर्ष ग्राम चन्देली, थाना प्रतापपुर जो करीब 4-5 वर्षो से मोहल्ले के भगमेन कोरवा के घर में रहकर मजदूरी का काम करता था उसका शव दिनांक 01/05/24 के रात करीब 9.30 बजे संदेहास्पद स्थिति में भगमेन कोरवा के घर के बगल में स्थित आम पेड़ के नीचे जमीन पर पड़ा है जिसके गर्दन में नायलून की रस्सी से फंदा लगा है तथा गर्दन में दो और रस्सी के निशान से काला पड़ा दिख रहा है, पीठ एवं शरीर में अन्य जगह चोट है।

मामले की सूचना मिलते ही उप पुलिस महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर एम.आर.आहिरे ने फौरन एएसपी संतोष महतो, एसडीओपी प्रतापपुर अरूण नेताम, एफएसएल, डॉग स्क्वार्ड सहित थाना प्रतापपुर पुलिस को मौके पर भेजते हुए भौतिक एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्य संकलन करने के निर्देश दिए। घटना स्थल पर पहुंची टीम के द्वारा शव पंचनामा के बाद शव का पीएम कराया गया और परिजन, गवाहों से पूछताछ की गई। मृतक की मृत्यु संदेहास्पद प्रतीत होने से शार्ट पीएम रिपोर्ट प्राप्त किया गया जिसमें डॉक्टर के द्वारा मृतक की मृत्यु हत्यात्मक लेख किए जाने पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अपराध क्र. 152/24 धारा 302 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। डीआईजी/ एसएसपी सूरजपुर एम.आर.आहिरे स्वयं मामले की विवेचना को लेकर लगातार मॉनिटरिंग कर दिशा-निर्देश देते रहे।

मामले की विवेचना के दौरान संदेही भगमेन कोरवा से बारीकी से पूछताछ करने पर बताई कि अपने भाई खिरू एवं अपनी दो नाबालिग लड़कियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम दी है। आरोपियां ने बताया कि संजय उर्फ मिथुन करीब 4-5 वर्षो से इसके घर में रहता था जो शराब पीकर अक्सर घर में झगड़ा विवाद करते रहता था, दिनांक 30/05/24 के शाम को खिरू घर आया था जिसके साथ मिलकर घर में मछली बनाए खाए, देर रात हो जाने से खिरू वहीं सो गया, रात करीब 10.30 बजे बड़ी लड़की के चिल्लाने की आवाज सुनकर सभी उठे तो देख कि संजय गलत इरादे से लड़की का हाथ पकड़कर बिस्तर पर खींच रहा था जिसे देख गुस्सा होकर यह, खिरू एवं दोनों नाबालिक लड़की मिलकर संजय जो बिस्तर पर लेटा था को हाथ मुक्का एवं लात से मारपीट करने लगे। इसके द्वारा वहीं पास पड़े डण्डा से मारपीट करके घर में मवेशी बांधने के लिए रखे नायलून की रस्स्सी लेकर आई जिसके बाद यह, खिरू और दोनों नाबालिक लड़कियों के द्वारा रस्सी को संजय के गर्दन में फंसा कर खींचे जिससे संजय की मृत्यु हो गई और संजय के सिर में रस्सी का फांसी का फंदा बनाकर छोड़ दिए, सभी शव को घर से बाहर निकाल कर शौचालय रूम में रख दिए और दिनांक 01.05.24 के रात करीब 9 बजे शौचालय रूम से लाश को निकाल कर आम पेड़ के नीचे रख दिए। आरोपियां भगमेन के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त डण्डा जप्त किया गया और मामले में पृथक से धारा 201, 34 भादवि जोड़ी जाकर आरोपी भगमेन पति स्व. सहादन कोरवा उम्र 45 वर्ष ग्राम केंवरा, थाना प्रतापपुर, खिरू पिता स्व. सोनू कोरवा उम्र 50 वर्ष ग्राम केरवां, थाना प्रतापपुर को गिरफ्तार किया गया। वहीं विधि विरूद्ध संषर्घरत दोनों बालिकाओं को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष विधि अनुसार पेश किया गया।

इस कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रतापपुर लक्ष्मण सिंह धुर्वे, सायबर सेल एएसआई राकेश यादव, प्रधान आरक्षक रजनीश त्रिपाठी, रामाधीन श्यामले, महिला प्रधान आरक्षक सरिता टोप्पो, आरक्षक युवराज यादव, अवधेश कुशवाहा, राजेश तिवारी, अरविन्द पाण्डेय, जयप्रकाश पन्ना व डॉग मास्टर मुकेश चर्तुवेदी सक्रिय रहे।

पुष्पा सिंह को पीएचडी की उपाधि

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 मई 2024 (घटती-घटना)।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान,अंबिकापुर की व्याख्याता श्रीमती पुष्पा सिंह को अटल बिहारी वाजपेई विश्वविद्यालय के द्वारा डॉक्टर फिलॉसफी की उपाधि प्रदान की गई। इन्होंने विद्यार्थियों में जीवन कौशल की आवश्यकता को केंद्रित करते हुए माध्यमिक स्तर पर जीवन कौशल प्रशिक्षण का किशोर विद्यार्थियों के मनोसामाजिक क्षमता , शालेय समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन शीर्षक पर अपना शोध कार्य पूर्ण किया। इनका अध्ययन केंद्र उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान (IASE), बिलासपुर से तथा कमला नेहरू महाविद्यालय,कोरबा के शिक्षा शास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. अब्दुल सत्तार के निर्देशन में पूरा किया। यह शोध सरगुजा जिले पर किया गया एक अर्ध प्रयोगिक शोध था। इन्होंने 6 राष्ट्रीय सेमिनारों में अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया है उनके 5 लघु शोध एवं 6 शोध पत्रों का प्रकाशन हो चुका है और ज़िले के शिक्षकों द्वारा अनेक क्रियात्मक अनुसंधान के कार्य पूर्ण कराए गए हैं। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान की तरफ़ से ये अनेक राष्ट्रीय स्तर, राज्य स्तरीय और ज़िले स्तर के कार्यक्रमों में जुड़ी हुई हैं।

राज्यपाल पुरस्कार 2022 एवं मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण 2020 शिक्षा श्री से सम्मानित निशा सिंह ने अटल बिहारी वाजपेई विश्वविद्यालय के अंतर्गत डॉ अब्दुल सत्तार विभागाध्यक्ष शिक्षा-शास्त्र, कमला नेहरू महाविद्यालय कोरबा के मार्गदर्शन में शोध केंद्र उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान बिलासपुर से शोध कार्य पूर्ण किया जिसका शीर्षक माध्यमिक स्तर पर किशोर विद्यार्थियों के कक्षा वातावरण का सृजनात्मक चिंतन लक्ष्य अभी विन्यास एवं शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन था यह शोध सूरजपुर सरगुजा एवं बलरामपुर इन तीनों जिलों पर किया गया था अटल बिहारी बाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर ने इन्हे डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि प्रदान की । इन्होने 2 अंतरराष्ट्रीय सेमिनार एवं गुजरात,मध्यप्रदेश दिल्ली, एवं छत्तीसगढ़ में हुए 4 राष्ट्रीय सेमिनार में रिसर्च पेपर प्रस्तुत किया है 8 शोध पत्रों का कई प्रतिष्ठित प्रकाशनों में प्रकाशन हो चुका है शिक्षा के क्षेत्र में यें आज भी व्यावसायिक दक्षता का विकास कर विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ने हेतु प्रयासरत हैं वर्तमान में यह शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करवा जिला सूरजपुर में व्याख्याता के पद पर कार्यरत हैं।

महज 22 साल के असफाक के इनकम का क्या है राज...वर्ष 2021 से 2022 तक उनका रिटर्न था 5 लाख के अंदर अचानक 2023 में 16 लाख का दिखाया आय

आखिर ऐसा कौन सा किया काम 5 लाख से की बढ़ कर 16 लाख पहुंची आय?

असफ़ाक फिलहाल हैं कुछ खबरों से क्षुब्ध प्रशासनिक अधिकारियों,नेताओं व पुलिसकर्मियों के संपर्क में, जो उसे मोहरा बनकर पत्रकार के विरुद्ध कर रहे हैं बड़ी साजिश:सूत्र

आखिर ऐसी कौन सी ताकत है असफाक के पास की खबर प्रकाशन व पैसे की लेनदेन की खबरें आम होने के बाद भी कार्यवाही से बचे हुए हैं?

शिवप्रसादनगर का ग्रामीण बैंक भी क्या उनके कारोबार का हिस्सा है?

जीएसटी से पहले खाते से हुआ 3 करोड़ का लेनदेन क्या आयकर विभाग करेगा इसकी जांच?

आखिर 3 करोड़ का खाते से लेनदेन किस उद्देश्य से किया गया क्या उसका टैक्स पटाया गया या फिर सब कुछ अवैध रूप से चल रहा जो है जांच का विषय

आखिर छप रही खबरों पर जीएसटी व आयकर विभाग कब लेगा संज्ञान और कब होगी सुष्मिता से अशफाक सहित उनके पिता के ट्रांजैक्शन की जांच?

-ओंकार पाण्डेय-
सूरजपुर 03 मई 2024
(घटती-घटना)।

लगातार प्रकाशित हो रही खबर से सूरजपुर जिले के एक व्यापारी जो लोगों का पैसा करते हैं दुगना ...आ रही है उसके कारोबार में गिरावट,क्या उसके बौखलाहट में पत्रकार विरोधियों के साथ मिलकर रच रहे हैं पत्रकार की हत्या की साजिश? सरगुजा संभाग में पैसा दुगना करने को लेकर एक नाम काफी चर्चा में है फिलहाल इसकी चर्चा पूरे प्रदेश में हैं और बड़े-बड़े व्यापारी इसके पास पैसा निवेश कर रहे हैं और अच्छा खासा कमीशन वह पा रहे हैं अब कमीशन कहें या फिर ब्याज का

कारोबार यह समझ के परे है,असफ़ाक नाम का व्यक्ति इस समय लोगों के पैसे दुगना करने व लोगों को कार,मोटरसाइकिल व महंगे मोबाइल गिफ्ट करने को लेकर सुर्खियों में है,यह बात सभी को पता है कि असफ़ाक के पास अच्छे-अच्छे व्यापारी सहित कई लोग अपना पैसा निवेश कर रहे हैं और उससे अच्छा खासा रिटर्न लेकर अपने पैसे को दुगना करने की जुगत में है, पर सवाल यह है कि यह कारोबार कैसा है अवैध है या फिर वैध यदि वैध होता तो अभी तक इसकी जानकारी सभी को हो जाती,आखिर महज 22 साल की उम्र में एक युवा लड़का इतना संपत्ति कैसे अर्जित कर रहा है, शॉर्टकट तरीके से पैसे कमाने की चक्कर में कहीं युवा खुद भी तो किसी साजिश का शिकार तो नहीं बन रहा है? और लोगों को भी जोखिम में तो नहीं डाल रहा है? अभी हाल में सूत्रों से पता चला है की उक्त युवा खबरों से काफी परेशान है और यह भी सूत्रों का कहना है कि खबरों से उसके धंधे को नुकसान हो रहा है जिस वजह से वह आग बबूला होकर कुछ विरोधियों के साथ मिलकर पत्रकार की हत्या की भी साजिश कर रहा है, यदि यह बात जरा भी सही है तो फिर पत्रकार को भी सचेत रहने की जरूरत है पर यह भी संदेह उत्पन्न हो रहा है कि आखिर यह कारोबार कितना खतरनाक है कि इसके लिए इस हद तक भी जाने को व्यापारी तैयार है?

जिला प्रशासन तो हर परिस्थितियों से वाकिफ है फिर भी ना जाने कार्यवाही के लिए किस घड़ी का इंतजार है?

बता दे कि जिले में असफाक का नाम अब ऐसा नाम है जो पहचान का मोहताज नहीं है वहीं यदि यह कहा जाए की यह नाम पूरे प्रदेश में ख्याति प्राप्त नाम हो चुका है जो कहा जा सकता है और पूरे प्रदेश के लोग इस नाम से वाकिफ हैं। असफाक उल्लाह का नाम ऐसे ही ख्याति प्राप्त नहीं कर सका है,इसके पीछे की वजह भी काफी महत्वपूर्ण है,असफाक उल्लाह इसलिए प्रसिद्ध हैं क्योंकि वह लोगों का पैसा कम समय में दुगना कर देते हैं और जिसके कारण लोग उनके पास निवेश करते हैं,वहीं असफाक के प्रसिद्ध होने के पीछे की दूसरी वजह यह भी है, अपने निवेशकों को फोर व्हीलर,टू व्हीलर से लेकर महंगे मोबाइल भी गिफ्ट करता है, जिसकी कई फोटो सोशल मीडिया पर मौजूद है और कई लोग तो अपने मोबाइल में भी उसे सेव करके रखे हुए हैं, यह बातें पूरी तरह से जग जाहिर हैं,यहां तक कि जांच करने वाले भी इस बात से अनजान नहीं है, जिला प्रशासन तो हर चीजों से वाकिफ है फिर भी ना जाने कार्यवाही के लिए किस घड़ी का इंतजार है? युवा विदेशी गाड़ियों में चलता है उनका रहन-सहन उनके शौक महंगे हैं वहीं वह बेशकीमती चीजों के शौकीन हैं। अब यह तो उनकी प्रसिद्धि की बात हुई वहीं यह प्रसिद्धि उनकी संपन्नता से आई और यह संपन्नता उन्हे कैसे हासिल हुई यही महत्वपूर्ण एक विषय है जो यह बताता है की कहीं न कहीं आयकर विभाग,जीएसटी विभाग अन्य जिम्मेदार विभाग असफाक के मामले में मौन हैं और अनभिज्ञ बन रहे हैं जबकि खबर लगातार प्रकाशित हो रहे हैं और यह आशंका जाहिर की जा रही है की चिटफंड जैसा कोई व्यापार है यह जो जारी है जहां पैसा दोगुना किए जाने का लालच दिया जा रहा है। वैसे असफाक और उनके पिता के नाम से केजीएन हार्डवेयर नाम की फर्म है जिसमें असफाक के पिता फर्म के संचालक हैं। वैसे केजीएन फर्म का रजिस्ट्रेशन साथ ही उसका जीएसटी नम्बर हाल ही में जारी हुआ है जिसमे असफाक उल्लाह के पिता का जीएसटी हार्डवेयर रजिस्ट्रेशन कुछ माह पूर्व का है वहीं असफाक का जीएसटी रजिस्ट्रेशन इसी माह का है जबकि सूत्रों की माने तो उनका व्यवसाय वर्षों से जारी है और करोड़ों का लेनदेन वह अपने खातों से करते रहे हैं। वैसे पूरे मामले में सवाल यह उठता है की क्या जब बिना जीएसटी रजिस्ट्रेशन के करोड़ों का लेनदेन ट्रांजेक्शन होता रहा तब आयकर विभाग का ध्यान इस ओर क्यों नहीं गया?

3 साल में इनकम 16 लाख कैसे पहुंची...आखिर इनकम का क्या है सोर्स?

22 वर्षीय युवा का व्यापार से जुड़े कई सवाल है सवालों के जवाब तलाशने के लिए यदि जांच एजेंसी निकल जाए तो परत दर परत सारी चीज साफ हो जाएगी पर आखिर सवालों के जवाब खोजने प्रशासन भी जहमत नहीं उठा रहा आखिर ना जाने उसे किस घड़ी का इंतजार है? सूत्रों से मिले दस्तावेज के अनुसार असफ़ाक की आय 2020 से लेकर 2022 तक 5 लाख के अंदर थी जो उसका इनकम टैक्स रिटर्न बताता है पर वही 2023 में उसकी आय अचानक बढ़कर 16 लाख पार कर गई, सूत्रों का यह भी कहना है कि टैक्स 2 से 3 लाख जमा भी किया गया पर 16 लाख का रिटर्न तो भर दिया गया पर 16 लाख के रिटर्न का सोर्स क्या है? यह नहीं बताया गया यह भी आयकर विभाग के लिए एक जांच का अहम पहलू है...पर जांच होगी कि नहीं यह तो समय पर पता चलेगा। आखिर एक साल में 16 लाख की इनकम कैसे हुई किस काम से हुई यह बहुत बड़ा पहलू है जो पूरे राज को खोलकर रख देगा।

शिवप्रसादनगर का ग्रामीण बैंक भी संदेह के घेरे में

शिवप्रसादनगर का ग्रामीण बैंक भी संदेह के घेरे में इसलिए माना जा रहा है क्योंकि इस बैंक से असफाक के पिता व अन्य परिवारों का लोन है,एक करोड़ का सीसी है तो वही करोड़ों की गाड़ियां भी फाइनेंस है पर समझने की बात यह है कि आखिर इतना लोन उस बैंक से कैसे मिल रहा और कैसे उस लोन की किस्त पट रही है। सरगुजा संभाग का शिवप्रसादनगर ग्रामीण बैंक कार लोन को लेकर काफी आगे बढ़ चुका है गिफ्ट वाली गाड़ियां भी लगभग उसी बैंक से फाइनेंस बताई जा रही हैं फाइनेंस भी असफाक के कहने पर होता है ऐसा विशेष सूत्रों का मानना है।

फाइनेंस कंपनी असफाक को गाड़ी फाइनेंस करने से कर दी थी मना...

सूत्र यह भी बताते हैं की महंगी गाड़ियों के शौकीन असफ़ाक एक महंगी विदेशी गाड़ी खरीदने गया हुआ था जिसमें फाइनेंस कंपनी ने यह कह मना कर दिया कि आपका उम्र कम है और आप इतने कम उम्र में इतनी महंगी किस्त कैसे पटा पाएंगे,आपका आइटीआर भी कम का है जिस चक्कर में असफ़ाक ने 16 लाख का आईटीआर ही फाइल कर दिया और 3 लाख का टैक्स भी पटा दिया...पर गलती यह कर गए की 16 लाख का इनकम का सोर्स उन्होंने सही नहीं बताया पेटी कॉन्टैक्टर वर्क बताकर फाइल कर दी फिर भी गाड़ी फाइनेंस नहीं हुई।

खुश करके अपना व्यवसाय कर रहे हैं जिसमें सभी का हिस्सा बंधा हुआ है और इसीलिए जिम्मेदार हैं मौन?

वैसे अब असफाक उल्लाह और उसके पिता के जीएसटी रजिस्ट्रेशन की कॉपी घटती-घटना के पास उपलब्ध है जो यह साबित करता है की असफाक का व्यवसाय जीएसटी रजिस्ट्रेशन अभी प्राप्त कर सका है जबकि करोड़ों का लेनदेन वह करते आ रहे हैं। इस मामले में अब आयकर विभाग,जीएसटी विभाग अन्य सतर्कता विभाग सवालों के दायरे में हैं क्योंकि यदि असफाक उल्लाह और उनके पिता के फर्म को लेकर लगातार समाचार प्रकाशित हो रहा है जिसमे गड़बड़ी की आशंका जाहिर की जा रही है तो संबंधित सभी विभाग जांच क्यों नहीं कर रहे हैं मौन क्यों हैं बड़ा सवाल है। वैसे असफाक उल्लाह की संपत्ति भी काफी बढ़ी है हाल फिलहाल में और बताया जा रहा है की उन्होंने कई बेशकीमती संपत्ति अर्जित की है जो सूत्रों के हवाले से खबर है ऐसे में आय से अधिक संपत्ति का भी मामला उनके ऊपर बनता है जो जांच का ही विषय है। वैसे बताया जा रहा है वह सभी को खुश करके अपना व्यवसाय कर रहे हैं जिसमें सभी का हिस्सा बंधा हुआ है और इसीलिए जब जिम्मेदार मौन हैं।

क्या अपने व्यापार व अपना राज खुलने से बचने के लिए पत्रकार की हत्या करवाने की भी कर रहे हैं षड्यंत्र?...

असफाक को और उनके गुप्त व्यवसाय को लेकर घटती-घटना लगातार समाचार प्रकाशित कर रही है और घटती-घटना इस मामले में सच्चाई सामने लाने के अभियान में जुटी हुई है की आखिर असफाक कैसे लोगों का पैसा दुगना कर रहे हैं और कैसे वह महंगी गाडियां बांट रहे हैं और विदेशी गाड़ी खुद चढ़ रहे हैं। बताया जा रहा है सूत्रों का कहना है की युवा व्यवसायी फिलहाल खबरों से काफी परेशान है और वह पत्रकार की हत्या का भी षड्यंत्र कर सकता है जो दुर्घटना सहित कोई अन्य माध्यम इसके लिए अपना सकता है। यह आशंका नहीं सूत्रों से मिल रही सूचना पर एक अंदेशा है पत्रकार का...वैसे असफाक का व्यवसाय क्या है जो वह ऐसा भी कोई कृत्य करने की सोच सकते हैं यह भी बड़ी बात है जांच का विषय है।

युवा को पत्रकार के विरुद्ध मोहरा बनाना चाहते हैं कुछ दिग्गज और कराना चाहते हैं उससे अपराध: सूत्र

युवा के साथ मिल कर कुछ शासकीय विभागों के जिम्मेदार पदों पर बैठे अधिकारी कर्मचारी जिनके विरुद्ध पूर्व में उनके कारगुजारी की खबर प्रकाशित हो चुकी है जो पत्रकार से द्वेष की भावना रखते हैं वह सभी पत्रकार की हत्या का षड्यंत्र रच रहे हैं,सूत्रों से जानकारी मिली है उसके अनुसार युवा के साथ मिलकर जो षड्यंत्र कर रहे हैं उसमे प्रभारी डीपीएम, तत्कालीन तहसीलदार, कोरिया के प्रधान आरक्षक, एक डिप्टी कलेक्टर जो जल्द ही आईएएस बनने वाले हैं, एक मंत्री के विशेष सलाहकार व ओएसडी, सहित बसदेई पुलिस के कुछ पुलिस कर्मचारी मिलकर हत्या का षणयंत्र रच रहे है।

पत्रकार करेगा प्रदेश के राज्यपाल से शिकायत,मांगेगा अपने लिए सुरक्षा

घटती घटना के पत्रकार को जान से मारने का षड्यंत्र हो रहा है यह सूत्रों का दावा है और यह षडयंत्र हत्या का दुर्घटना स्वरूप में भी किया जा सकता है जो बताया जा रहा है। इस मामले में अब पत्रकार प्रदेश में राज्यपाल से सुरक्षा की मांग करने वाला है और इसके लिए वह जल्द ही पत्र लिखकर अपनी जान की सुरक्षा की मांग करने वाला है।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन | घटती घटना | कोरिया-एमसीबी-सूरजपुर-कोरबा-समाचार | अम्बिकापुर ,मंगलवार 30 अप्रैल 2024 | 6

असफ़ाक 2 महीने पहले ही बने जीएसटी धारक...वहीं पिता पुत्र से चार महीने पहले बने जीएसटी धारक...फिर खाते से कैसे होता रहा करोड़ों का लेनदेन?

जीएसटी नंबर हाल में ही जारी हुए फिर भी पहले से होते रहा करोड़ों का ट्रांजेक्शन:सूत्र

आखिर आयकर और जीएसटी विभाग क्यों रहा मौन?

व्यवसाय की आखिर कब होगी जांच,जो व्यवसाय लोगों को भी दे रहा बड़ा मुनाफा?

सिर्फ बिल बेचते हैं व्यापार के नाम पर

खुश करके अपना व्यवसाय कर रहे हैं जिसमें सभी का हिस्सा बंधा हुआ है और इसीलिए जिम्मेदार हैं मौन?

आयकर विभाग व जीएसटी विभाग की कार्यवाही का इंतजार

पत्रकार सहित संपादक के विरुद्ध षड्यंत्र की तैयारी

असफाक नाम का सूरजपुर जिले के शिवप्रसादनगर का युवक जिसकी उम्र मात्र लगभग 22 वर्ष है जो आय से ज्यादा संपत्ति अर्जित कर चुका है उसके व्यापार का सोर्स क्या है यह कोई पता नहीं लग पा रहा। चिटफंड का व्यवसाय करता है उसके विरुद्ध दैनिक घटती-घटना ने हाल फिलहाल में काफी समाचार प्रकाशित किया है जिसका कारण यह है की लोगों को जागरूक कराया जा रहा था ताकि लोग किसी भी धोखे में ना रहें,जहां खबर को संज्ञान लेकर संबंधित विभाग को जांच में असफाक की संपत्तियों की जांच करनी थी वहां पर जांच न होने की वजह से खबर छापने वाले पत्रकार व अखबार के संपादक पर ही जान का खतरा मंडराने लगा है। बताया जा रहा है की इस षड्यंत्र में कई लोग शामिल हैं जिनमे भ्रष्टाचार से जुड़े लोग शामिल हैं।

खबरों से क्षुब्द विरोधियों के संपर्क में है युवा व्यवसायी?

घटती-घटना की खबरों से युवा व्यवसायी काफी क्षुब्ध हैं जैसा बताया जा रहा है और वह कुछ अन्य ऐसे लोगों के संपर्क में हैं जो पत्रकार से खबरों को लेकर क्षुब्ध हैं। ऐसे लोगों में हर वर्ग के लोग हैं खासकर भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों की पूरी एक टीम है जिनके खिलाफ घटती-घटना में समाचार प्रकाशित हो चुका है। यह लोग राजधानी में बैठक कर चुके हैं एक साथ यह भी सूत्रों का कहना है जिसमे युवा व्यवसाई को सभी अन्य पत्रकार विरोधियों के द्वारा भड़काया गया जो बताया जा रहा है।

जो राम को लाएं हैं, हम उनको लाएंगे....

राम धुन पर थिरकते भाजपाइयों ने निकाली विशाल रैली

➡ भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय रहीं मौजूद...विधायक भैयालाल राजवाड़े ने कहा 50000 से जीतेंगे कोरिया

➡ वर्तमान सांसद ज्योत्सना महंत पर सरोज पांडेय ने निष्क्रिय रहने एवं परिवार वाद का लगाया आरोप

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,03 मई 2024 (घटती-घटना)।

गुरुवार को बैकुंठपुर में भाजपाइयों ने लोकसभा प्रत्याशी सुश्री सरोज पांडेय की मौजूदगी में विशाल रैली निकाली,अबकी बार 400 पार और फिर एक बार मोदी सरकार के नारे लगाते भाजपाई राम धुन में थिरकते नजर आ रहे थे,उत्साह से लबरेज कार्यकर्ताओं को रैली के बाद सरोज पांडेय ने कुमार चौक के संबोधित किया। शोभायात्रा के लिए कोरिया जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता प्रेमाबाग परिसर में एकत्रित हुए। यहां जैसे ही भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय का आगमन हुआ कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया,तत्पश्चात उन्होंने भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना की। यहां से रैली की शुरुवात हुई,हाथ में पार्टी के झंडे लेकर गगन भेदी नारे लगाते कार्यकर्ता पैदल चल रहे थे जबकि विधायक भैयालाल राजवाड़े, जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल के साथ प्रत्याशी सरोज पांडेय खुली जीप में सवार थीं। बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ता प्रेमाबाग परिसर से जो राम को लाएं हैं हम उनको लायेंगे के धुन के साथ आगे बढ़ रहे थे और रथ में सवार प्रत्याशी द्वारा हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन किया जा रहा था। कर्मा व सूवा दल के साथ तीर धनुष लेकर भी ग्रामीण जन इस रैली में मौजूद थे। गुरुद्वारा चौक, एसईसीएल तिराहा,बस स्टैंड,फौवारा चौक होते हुए रैली कुमार चौक तक पहुंची,इस दौरान बीच बीच में रैली का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया,महिलाओ ने तिलक व आरती कर सरोज पांडेय का अभिनंदन किया। अबकी बार 400 पार और फिर एक बार मोदी सरकार के साथ जयघोष करते कार्यकर्ता सभा स्थल कुमार चौक पहुंचे जहां रैली सभा के रूप में तब्दील हो गई।

शैलेश शिवहरे और देवेंद्र तिवारी की मेहनत लाई रंग,रोड शो में जुटी अपार भीड़

पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शैलेश शिवहरे को जमीन से जुड़ा नेता कहा जाए तो गलत नहीं होगा वहीं उनकी रणनीति और उनकी संख्या बल के साथ रोड शो और रैली को सफल बनाने की रणनीति हमेशा सफल ही रही है उसी तरह देवेंद्र तिवारी भी संख्या बल के साथ बेहतर रणनीति बनाने और रैली या कोई आयोजन सफल बनाने में माहिर माने जाते हैं और गुरुवार को दोनो के प्रयास से भाजपा का बैकुंठपुर शहर का कार्यक्रम काफी सफल रहा। भाजपा का रोड शो रैली और आमसभा सफल बनाने में शैलेश शिवहरे और देवेंद्र तिवारी की अहम भूमिका रही। वैसे लोगों के बीच खासकर भाजपा के ही लोगों के बीच चर्चा सुनी गई की मुख्यमंत्री का पटना में जो कार्यक्रम असफल हुआ वह यदि शैलेश शिवहरे या देवेंद्र तिवारी के जिम्मे होता असफल नहीं होता। जिलाध्यक्ष जहां एकला चलो परिवारवाद में ही उलझ कर रह जा रहे हैं वहीं शैलेश शिवहरे और देवेंद्र तिवारी प्रत्याशी के लिए जी जान से भिड़े हुए हैं। शैलेश शिवहरे जमीनी कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी का काम करते हैं देवेंद्र तिवारी के पास भी एक बड़ी समर्थक फौज है वहीं जिलाध्यक्ष के पाससी गिने चुने तीन चार के अलावा केवल परिवार के सदस्य हैं जो भाजपा पर परिवारवाद की छाप छोड़ रहे हैं।

रैली में यह रहे शामिल...

भव्य आतिशबाजी के बीच संपन्न हुए कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन जिला उपाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने किया जबकि कार्यक्रम का संचालन महामंत्री पंकज गुप्ता ने किया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष जवाहर गुप्ता, रविशंकर शर्मा,जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण राजवाड़े,जिला महामंत्री विनोद साहू,अनिल साहू,योगेंद्र मिश्रा,नगर पालिका अध्यक्ष नविता शिवहरे,जिला पंचायत सदस्य वंदना राजवाड़े,महिला मोर्चा अध्यक्ष धर्मवती राजवाड़े,जगदीश साहू, सुभाष साहू,राजेश सिंह,कपिल जायसवाल,अरुण जायसवाल,कुबेर साहू,धीरेंद्र साहू,गोपाल राजवाड़े, हितेश सिंह समेत बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी,कार्यकर्ता,व्यापारी साथी एवं आम जन शामिल थे।

उद्बोधन के मध्यम से भरा उत्साह

कुमार चौक पहुंचकर भाजपा ने सभा आयोजित की जहां सबसे पहले जिलाध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आगामी 7 तारीख को अधिक से अधिक संख्या में लोगों को मतदान कराने हेतु आह्वान किया। भाजपा जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे ने संबोधित करते हुए आह्वान किया की कोरिया जिले के असंतुलित विभाजन का बदला महंत परिवार से लेना है और इस चुनाव में सबक सिखाना है। नेता प्रतिपक्ष डॉ.चरण दास महंत के द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई टिप्पणी को लेकर भी उन्होने कहा कि इस वक्तव्य का बदला भी हमको लेना है। पूर्व मंत्री एवं बैकुंठपुर विधायक भैयालाल राजवाड़े ने कहा कि सरोज पांडेय जी को इस विधानसभा के 50000 मतो से जिताकर भेजना है,कार्यकर्ताओं से उन्होंने जी जान से मेहनत करने का आह्वान किया।

वर्तमान सांसद ज्योत्सना महंत पर सरोज पांडेय ने निष्क्रिय रहने एवं परिवार वाद का लगाया आरोप

अंतिम कड़ी में लोकसभा उम्मीदवार सरोज पांडेय ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए एक बार फिर मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाना होगा। उन्होंने जनता से वायदा करते हुए कहा कि इस क्षेत्र के समुचित विकास के लिए वे सदैव प्रयत्नशील रहेंगी। वर्तमान सांसद ज्योत्सना महंत पर उन्होंने फिर से निष्क्रिय रहने एवं परिवार वाद का आरोप लगाया। केंद्र में मोदी सरकार और प्रदेश में विष्णु देव सरकार के कार्यों की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में आप लोगो ने मोदी की गारंटी पर भरोसा करते हुए भाजपा की सरकार बनाई थी,जिसका परिणाम है कि महिलाओं को महतारी वंदन योजना की तीसरी किश्त आज ही जारी हुई है। सरोज पांडेय ने कहा कि आज कोरबा लोकसभा देश के 100 आकांक्षी जिलों में शामिल है जो बड़ा ही दुर्भाग्य का विषय है,यहां की सांसद रही ज्योत्सना महंत ने कुछ प्रयास नही किया, वे केवल बैठको में शामिल होने आती थी। पूर्ववर्ती भूपेश सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि डीएमएफ को लूट का अड्डा बनाया गया था,आज दो दो आइएएस जेल में बंद हैं,सांसद ज्योत्सना महंत स्वयं स्वीकार करती हैं की भ्रष्टाचार हुआ है। सरोज पांडेय ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि चुनाव के अंतिम समय में अपने पोलिंग बूथ स्तर पर मजबूती से काम करें लोगो को भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिए प्रेरित करें।सरोज पांडेय के उद्बोधन से कार्यकर्ताओं में उत्साह का वातावरण भी देखने को मिला।

सरोज ने सदन में कभी नहीं उठाया कोरबा का मुद्दा,मोदी सरकार के कार्यकाल में बेतहाशा बढ़ी महंगाई: सांसद फूलो देवी

-संवाददाता-
कोरबा,03 मई 2024 (घटती-घटना)।

कांग्रेस ने अपना न्याय पत्र की घोषणा की है, जिसमें पांच न्याय शामिल किए गए हैं। युवा न्याय, नारी न्याय, किसान न्याय, श्रमिक न्याय और हिस्सेदारी न्याय शामिल हैं। इसके आने के बाद से भाजपा बौखला गई है। उक्त बातें राज्यसभा सांसद व छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष फूलो देवी नेताम ने प्रेस क्लब तिलक भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि युवा न्याय में हर शिक्षित युवा को 1 लाख की अप्रेंटिस का अधिकार, पक्की नौकरी, 30 लाख सरकार नौकरी, पेपर लीक से मुक्ति, गिग वर्कर सुरक्षा व युवा रोशनी शामिल है। नारी न्याय में महालक्ष्मी अंतर्गत हर गरीब परिवार की महिला को हर साल में एक लाख रूपये, केन्द्र सरकार की नई नौकरियों में 50 प्रतिशत महिला आरक्षण, सावित्रि बाई फुले हॉस्टल के अंतर्गत कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल बनाए जायेंगे साथ ही देश के युवाओं के लिए स्टैटअप कोर्स चालू किया जायेगा जिसमे 5000 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है ,केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर युवाओं को सतर्त कोर्स के माध्यम से बड़े बड़े कंपनी से रोजगार से संबंधित कार्यों का ट्रेनिंग देकर उन्हें एक लाख तक का राशि नए कार्य प्रारंभ करने के लिए दिया जायेगा । उन्होंने कहा कि 10 साल के मोदी राज्य में बेतहाशा महंगाई बढ़ी है। डीजल, पेट्रोल से लेकर हर जरूरत के सामान में जीएसटी लगा हुआ है। महंगाई और बेरोजगारी से भाजपा का कोई सरोकार नहीं है,भाजपा सिर्फ जातिवाद को सामने रखकर चुनाव लड़ रही है । 10 साल के कार्यकाल में कालाधन वापस लाने खातों में 15-15 लाख रूपये जमा करने व 2 करोड़ रोजगार का वादा किया था, जिसे पूरा नहीं किया गया। पूछने पर कहते हैं यह तो चुनावी जुमला था। कांग्रेस के पास महंगाई कम करने का क्या फार्मूला है के सवाल पर उन्होंने कहा कि मोदी सरकार अपने उद्योगपति साथियों का 16 लाख करोड़ रुपए माफ कर सकती है तो क्या गरीबों के लिए कुछ नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी में महिलाओं का हमेशा सम्मान हुआ है। पहली महिला राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष कांग्रेस ने ही बनाए थे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पिछले चुनाव में जब छग आए तो उन्होंने कहा था कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी होगी, किसानों का कर्ज माफ और बिजली बिल हॉफ का वादा किया था। प्रदेश में भूपेश सरकार बनते ही इन वादों को निभाया गया। वहीं आदिवासियों को उपेक्षा को लेकर कहा के भाजपाई कुछ भी आरोप लगाते हैं,उन्हे यह ज्ञात नही है के कांग्रेस ने हमेशा आदिवासियों का मान बढ़ाया है। वही उन्होंने भाजपा प्रत्याशी सरोज पाण्डेय को लेकर पूछे गए प्रश्न के जवाब में कहा कि खुद पार्टी के ही नेता सरोज के पीछे पड़े हैं। उन्हें दुर्ग से लड़ाने के बजाए कोरबा भेज दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सभा सांसद होने के नाते सरोज पाण्डेय ने सदन में कभी भी कोरबा का मुद्दा नहीं उठाया।

नरेंद्र मोदी के 10 साल के कार्यकाल में सबसे ज्यादा हुआ अन्याय : प्रियंका गांधी

-संवाददाता-
कोरबा,03 मई 2024 (घटती-घटना)।

कोरबा लोकसभा की प्रत्याशी ज्योत्सना चरण दास महंत के पक्ष में प्रचार करते हुए कांग्रेस के महासचिव प्रियंका गांधी ने छत्तीसगढ़ में हुंकार भरी। चिरमिरी में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने जनता से जागरुक होने की अपील की। मोदी सरकार की नीतियों और कार्यों की आलोचना करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि केंद्र सरकार जनता को आत्मनिर्भर बनाने की बजाये 5 किलो आनाज और आवास देकर निर्भर बना रही है। उन्होंने कहा कि 10 साल में मोदी सरकार ने जनता की भलाई के लिए कुछ नहीं किया केवल अपने करोबारी मित्रों को लाभ पहुंचाने का काम किया है। प्रधानमंत्री से लेकर बीजेपी के सभी नेता बड़ी-बड़ी बता करते हैं,

लेकिन रोजगार, महंगाई और शिक्षा जैसे आपके मुद्दों पर कुछ नहीं बोलते। प्रियंका गांधी ने कहा कि आज देश में जो राजनीति है वह गरीब, मजदूर, श्रमिक और किसान विरोधी राजनीति चल रही है। बीजेपी के नेता आपको बताते हैं कि देश में खुशहाली है, लेकिन आपकी बड़ी-बड़ी समस्याओं के बारे में कुछ नहीं कहते हैं।

प्रियंका गांधी ने कहा कि मोदी ने लगभग सब कुछ अरब पतियों को दे दिया है। यहां के खदान देश के एयरपोर्ट, बंदरगाह सब अपने बड़े-बड़े खरबपति मित्रों को सौंप दिया। यह संपत्ति मोदी या किसी नेता की नहीं है, यह देश की संपत्ति है। रोजगार की सुरक्षा खत्म हो गई है। श्रमिकों को ठेकेदारों द्वारा शोषण हो रहा है। हम अपनी पार्टी में प्रयास कर रहे हैं कि आपके साथ न्याय हो। नरेंद्र मोदी के 10 साल के कार्यकाल में सबसे ज्यादा अन्याय हुआ है साथ ही वोटर और जनता में जागरुकता कम हो गई है। पहले प्रधानमंत्री से लोग प्रश्न करते थे और अब धर्म के आधार पर वोट ले रहे हैं। जनता में जागरुकता जरूरी है। इस दौरान प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, कोरबा सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत, पीसीसी चीफ दीपक बैज, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष मोहन मरकाम, पूर्व मंत्री अमरजीत भगत, बैकुंठपुर प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, पीसीसी सदस्य योगेश शुक्ला, सौरभ सिंह, नजीर अजहर, अशोक जायसवाल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अपराधिक मामलों के बारे में घोषणा

(वर्ष 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं, 536 में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 25 सितंबर, 2018 के निर्णय के अनुसार) (पब्लिक इंट्रेस्ट फाउंडेशन और अन्य बनाम भारत संघ और अन्य)
अभ्यर्थी का नाम और पता :- **अरविन्द कच्छप, ठाकुरपुर, पोस्ट एवं तह0 अम्बिकापुर,सरगुजा,छ0ग0**
राजनैतिक दल का नामः **निर्दलीय**
(निर्दलीय अभ्यर्थी यहां ''निर्दलीय'' लिखें)
निर्वाचन का नामः **लोकसभा 2024**
निर्वाचन क्षेत्र का नामः **01 सरगुजा**
मै **अरविन्द कच्छप** (अभ्यर्थी का नाम), उपर्युक्त निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी, सार्वजनिक सूचना हेतु अपने अपराधिक पूर्ववृत्त के बारे में निम्नलिखित विवरणों की घोषणा करता/करती हूं।

(क)	लंबित आपराधिक मामले			
क्र.सं.	न्यायालय का नाम	मामले की सं. एवं तारीख	मामले (मामलों) की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धारा (धाराएं) एवं अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण
	न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अम्बिकापुर	242/17	लंबित	295 क, 297 भा0द0वी0

(ख)	अपराधिक मामलों के लिए दोषसिद्धि के मामलों के संबंध में विवरण		
क्र.सं.	न्यायालय का नाम एवं आदेश (शों) की तारीख (खें)	अपराध (अपराधों) और अधिरोपित दण्ड का विवरण	अधिकतम अधिरोपित दंड

राज्य सभा के निर्वाचन या विधान सभा सदस्यों द्वारा विधान परिषद् के निर्वाचन के मामले में, निर्वाचन क्षेत्र के नाम के स्थान पर संबंधित निर्वाचन का उल्लेख करें।

सीएम साय ने 50 से ज्यादा समाजों की ली बैठक

-संवाददाता-
कोरबा,03 मई 2024 (घटती-घटना)।

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गुरुवार को समाज के प्रमुखों के साथ संवाद करने कोरबा पहुंचे।इस दौरान होटल जश्न रिसॉर्ट में सीएम ने 50 से ज्यादा समाज के प्रमुखों और विभिन्न संगठनों के साथ आत्मिय संवाद किया। कार्यक्रम के दौरान मंच पर सीएम विष्णुदेव साय, उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन का सभी समाज के प्रमुख जनों ने स्वागत किया। सीएम श्री साय ने सभी का अभिवादन सहर्ष स्वीकार किया। श्री साय ने सभी समाज के प्रमुखजनों से कहा की कोरबा की जनता बहुत सौभाग्य शाली है ,जो सुश्री सरोज

पांडेय जैसा योग्य प्रत्याशी मिला है। उन्होने सरोज पांडेय को शेरनी की संज्ञा देते हुए कहा की जैसे शेर गांव में आता है तो जानवर से लेकर दीमक भी पेड़ से झड़ जाते हैं, वैसे ही सरोज के आने से विरोधी अपने आप दूर हो गए हैं। उन्होंने कायस्थ समाज, अग्रवाल सभा, राठौर समाज, सतनामी समाज, देवांगन समाज, चंद्रा समाज, कुर्मी समाज, जैन मिलन समिति, पटेल सभा, राठिया समाज, साहू समाज,गुजराती समाज,सिख समाज,ईसाई समाज,श्रीवास समाज, मेमन जमात समेत सभी अन्य समाज के प्रमुख जन से आशीर्वाद भी मांगा। सीएम श्री साय ने सभी समाज प्रमुखों के साथ बैठकर रात्रि भोजन भी किया। इस अवसर पर मंच पर जिला अध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत, जिला संगठन प्रभारी गोपाल साहू, पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक चावलानी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष योगेश जैन, वैभव शर्मा, विशाल सचदेव समेत अन्य अधिक संख्या में उपस्थित रहे।

न्यायालय नायब तहसीलदार अंबिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र02024021700062 /अ-27/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व -साधारण सूचित किया जाता है कि आवेदक /चन्दन राम राजवाड़े आ0 उदय राम निवासी ग्राम -घंघरी तहसील अंबिकापुर,जिला - सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा ग्राम-घंघरी स्थित भूमि कुल खसरा नं. 13 कुल रकबा 2.081 हे0 भूमि का आवेदक तथा अनावेदकगण आनन्द राम राजवाडे आ0 उदय राम व अन्य 07 निवासी ग्राम घंघरी तहसील अंबिकुपर जिला -सरगुजा (छ0ग0)के मध्य बंटवारा कराने हेतु छ0ग0 भू -राजस्व संहिता 1959 की धारा 178 के तहत् प्रस्तुत आवेदन आनलाईन नामांतरण पंजी के माध्यम से बंटवारा की कार्यवाही हेतु प्रस्तुत किया गया था। कार्यवाही के दौरान विधिवत बंटवारा हेतु राजस्व न्यायालय ई-कोर्ट के माध्यम से दर्ज कर कार्यवाही प्रारंभ किया गया हैं। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोइे आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 31/05/2024 तक इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा- आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं,समय सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 29/04/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पद मुद्रा से जारी किया।

(सील) नायब तहसीलदार अंबिकापुर-2

न्यायालय नजुल अधिकारी अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क्र0....../अ-6/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रजत बौरी आ. स्व. कृष्णा कुमार बौरी निवासी -पुलिस लाईन के समीप रामानुजगंज रोड बौरीपारा अंबिकापुर थाना व तहसील अंबिकापुर जिला- सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने अधिवक्ता के माध्यम से आवेदक ने पत्र अन्तर्गत धारा 109,110 छ0ग0 भू0रा0 संहिता का आवेदन पत्र प्रस्तुत कर देवीगंज रोड अंबिकापुर स्थित भूमि प्लाट नम्बर 1165/1 रकबा 10×14 वर्ग एवं उस पर निर्मित दुकान के राजस्व प्रपत्रो पर आपसी समझौता के तहत माननीय व्यवहार न्यायाधीश वर्ग -1 अंबिकापुर के द्वारा दिनांक 9/3/2024 को राष्ट्रीय लोक अदालत में निर्णय पारीत अनुसार राजस्व प्रपत्रों से अनावेदकगण का नाम विलोपित करते हुए अपने नाम पर दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया हैं ।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा -आपत्ति प्रस्तुत करना हो, तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 15/05/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं । नियत तिथि समय सीमा के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 24/04/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी।

(सील) नजूल अधिकारी अंबिकापुर,

न्यायालय नजुल अधिकारी सूरजपुर, जिला-सूरजपुर,(छ0ग0)

रा0प्र0क्र0.202405262000001/अ-6

ईश्तहार

आगामी तिथि 20/05/2024 इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता /संस्था/ विभाग को एत्द द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक मनोज अग्रवाल आ.अनंत राम अग्रवाल उम्र लगभग 48 वर्ष जाति अग्रवाल निवासी -सूरजपुर,पो0 थाना, तहसील व जिला सूरजपुर, छ0ग0 के द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण दर्ज किये जाने बावत आवेदन प्रस्तुत कर नगर सूरजपुर स्थित नजूल भूमि प्लाट नम्बर 1913/16 रकबा 560 वर्गफीट भूमि जो नजूल अभिलेख में जयभान अग्रवाल पिता ठण्डी राम अग्रवाल, जाति अग्रवाल के नाम पर दर्ज है। उक्त भूमि को आवेदक द्वारा अनावेदक/खातेदार जयभान अग्रवाल पिता ठण्डी राम अग्रवाल, जाति अग्रवाल से पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 20/03/2024 के आधार पर आवेदक के नाम पर नामांतरण दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 20/05/2024 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 02/05/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

(सील) नजूल अधिकारी सूरजपुर

आरसीबी और गुजरात के बीच महाजंग आज

» प्लेऑफ की उम्मीदें कायम रखने के लिए आरसीबी और गुजरात के बीच करो या मरो मुकाबला

नई दिल्ली,03 मई 2024। समीकरणों के आधार पर अभी भी प्लेऑफ की दौड़ से बाहर नहीं हुई रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू और गुजरात टाइटंस को अपनी थोड़ी बहुत उम्मीदें भी कायम रखने के लिये शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में हर हालत में जीत दर्ज करनी होगी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू दस मैचों में छह अंक लेकर तालिका में सबसे नीचे है जबकि टाइटंस दस मैचों में आठ अंक लेकर आठवें स्थान पर है।
चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स (10 अंक) की पिछले मैच में हार के बाद इन दोनों टीमों की उम्मीदें बंधी है। दोनों को बखूबी पता है कि दूसरी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहने की बजाय खुद अपने अभियान को ढर्रे पर लाना होगा। अपने मैदान पर खेल रही आरसीबी के लिये विराट कोहली शानदार फॉर्म में हैं जो इस सत्र में 500 रन पार करने वाले पहले बल्लेबाज बने। आरसीबी को उनसे इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद होगी। गेंदबाजों ने हालांकि मेजबान को निराश किया है।
मोहम्मद सिराज , यश दयाल, कर्ण शर्मा और स्वप्निल सिंह कोई भी प्रभावित नहीं कर सका है। बल्लेबाजों की ऐशगाह चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच पर उन्हें गुजरात के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना होगा हालांकि अभी तक वे एक ईकाई के रूप में अच्छा नहीं खेल सके हैं। इसी वजह से दिल्ली कैपिटल्स और आरसीबी ने पिछले दो मैचों में उसे हराया है। शुभमन गिल और बी साई सुदर्शन ने मिलकर गुजरात के लिये 700 से

अधिक रन बनाये हैं। रिधिमान साहा, डेविड मिलर, राहुल तेवतिया, विजय शंकर और शाहरूख खान 200 रन के आसपास भी नहीं पहुंच सके हैं।
गेंदबाजी में स्टार स्पिनर राशिद खान समेत कोई भी अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सका है। राशिद ने दस मैचों में आठ की इकॉनॉमी रेट से आठ विकेट लिये हैं। पिछले साल उन्होंने 8 . 24 की इकॉनॉमी रेट से 27 विकेट लिये थे। तेज गेंदबाजी में टीम को मोहम्मद शमी की कमी खल रही है जो सर्जरी के बाद उबर रहे हैं। उमेश यादव और मोहित शर्मा काफी महंगे साबित हुए हैं। मोहित ने 10 विकेट लिये लेकिन 11 से अधिक की दर से रन दिये हैं। उमेश सात ही विकेट ले सके हैं।

टीमें...

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर:- फाफ डु प्लेसी (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडागे, मयंक डागर, विजयकुमार विशक, आकाश दीप। मोहम्मद सिराज, रीस टॉपले, हिमांशु शर्मा, राजन कुमार, कैमरून ग्रीन, अल्ज़ारी जोसेफ, यश दयाल, टॉम कुरेन, लॉकी फर्ग्यूसन, स्वप्निल सिंह, सौरव चौहान।

गुजरात टाइटंस:- शुभमन गिल (कप्तान), डेविड मिलर, मैथ्यू वेड, रिद्धिमान साहा, रॉबिन मिंज, केन विलियमसन, अभिनव मंधार, बी साई सुदर्शन, दर्शन नालकंडे, विजय शंकर, अजमतुल्लाह उमरजई, शाहरुख खान, जयंत यादव, राहुल तेवतिया, कार्तिक त्यागी, शशांत मिश्रा, स्पेंसर जॉनसन,नूर अहमद, साई किशोर, उमेश यादव, राशिद खान, जोशुआ लिटिल, मोहित शर्मा और मानव सुतार।

टी 20 विश्व कप में तेज गेंदबाजी ऑल राउंडर के रूप में हार्दिक बेस्ट:टॉम मूडी

नई दिल्ली,03 मई 2024। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व पुरुष ऑलराउंडर टॉम मूडी का मानना है कि टी20 विश्व कप में भाग लेने जा रही भारतीय टीम में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में हार्दिक पांड्या वर्तमान में अन्य दावेदारों से ऊपर हैं। भारत की 15 सदस्यीय टीम में कप्तान रोहित शर्मा के डिप्टी के रूप में हार्दिक पांड्या का शामिल होना कई लोगों के लिए आश्चर्य की बात थी, क्योंकि वह आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करते हुए बल्ले और गेंद से बड़ा प्रभाव छोड़ने में असमर्थ रहे हैं।लेकिन भारत में कई खिलाड़ियों के पास उनके जैसा कौशल नहीं है। हार्दिक पांड्या अब भारत के लिए अपना चौथा टी20 विश्व कप खेलने के कगार पर हैं, जब वे 5 जून को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयरलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। मूडी ने कहा, मुझे तीन अन्य लोगों के नाम

बताइए जो वह कर सकते हैं जो हार्दिक पांड्या कर रहे हैं। यह मूल बात है। एक वास्तविक ऑलराउंडर होने का वह कौशल जो आपके शीर्ष छह में बल्लेबाजी कर सकता है और संभावित रूप से आपके लिए चार ओवर फेंक सकता है, भारत में बहुत दुर्लभ है, हां, कुछ अन्य लोग भी हैं जो घरेलू क्रिकेट खेलते हैं और ठीक हैं, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में नहीं, जो एक अलग मानक है।
तो मुझे लगता है कि वह उस विशेष भूमिका के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाले किसी भी व्यक्ति से ऊपर हैं। मुझे लगता है कि अजीत अगरकर ने पहचान लिया है कि यह मामला है और हमें उनकी रिकवरी के संबंध में, उनके फॉर्म के संबंध में उन्हें एक लम्बा समय देना होगा।
भारत के पूर्व तेज गेंदबाज और 2007 टी20 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य एस श्रीसंत ने भी मेगा इवेंट में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए हार्दिक पांड्या का समर्थन किया।
मूडी ने आगे कहा, हमने देखा है कि इस साल के आईपीएल को छोड़कर वह मैदान पर क्या कर सकते हैं। जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं और जिस तरह से वह देश के लिए गेंदबाजी कर रहे हैं, उन्होंने एक श्रृंखला में देश का नेतृत्व भी किया और हम जीते।मूडी ने यह भी महसूस किया कि विश्व कप के लिए शिवम दुबे का चयन भारतीय टीम का एक स्मार्ट पिक है, और वह चाहते हैं कि वह चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अपने आईपीएल 2024 अभियान के दौरान अपने प्रशिक्षण सत्र में गेंदबाजी भी करें।

बृजभूषण शरण सिंह के बेटे को बीजेपी से टिकट मिलने पर साक्षी मलिक ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली,03 मई 2024। साक्षी मलिक ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह के बेटे करण को उत्तर प्रदेश की कैसरगंज सीट से लोकसभा चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार चुनने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर गुरुवार को निशाना साधा और कहा कि इस फैसले से देश की बेटियों की हार हुई है।साक्षी, बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट सहित शीर्ष पहलवानों ने बृज भूषण पर डब्ल्यूएफआई प्रमुख के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान महिला

पहलवानों का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था और उनकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर महीनों तक जंतर-मंतर पर धरना-प्रदर्शन किया था। बृजभूषण कैसरगंज से मौजूदा सांसद हैं और अब उनके बेटे को इस सीट से भाजपा का टिकट मिलने से प्रदर्शनकारी पहलवानों में नाराजगी है।साक्षी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''देश की बेटियां हार गईं, बृजभूषण जीत गया।'' पिछले साल कुश्ती को अलविदा कहने वाली रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साक्षी ने कहा कि पहलवानों की न्याय की मांग पर ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा, ''हम सभी ने अपना करियर दांव पर लगाया, कई दिनों तक धूप और बारिश में सड़कों पर सोए। आज तक बृजभूषण को गिरफ्तार नहीं किया गया। साक्षी ने कहा, ''गिरफ्तारी छोड़िए, आज उनके बेटे को टिकट देकर आपने देश की करोड़ों बेटियों का मनोबल तोड़ दिया है।

टीम प्रबंधन द्वारा दिया गया मौका बर्बाद नहीं करना चाहता था

हैदराबाद,03 मई 2024। नीतीश कुमार रेड्डी,जिन्होंने आईपीएल 2024 में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) पर एक रन से रोमांचक जीत हासिल करने में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के लिए 42 गेंदों में नाबाद 76 रन की शानदार पारी खेली, ने कहा कि टीम प्रबंधन ने उन्हें अंतिम एकादश में शामिल होने का मौका दिया, एक ऐसा मौका जिसे वह कभी गंवाना नहीं चाहते थे। गुरुवार शाम को राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में, रेड्डी ने तीन चौके और आठ छक्के लगाकर सबको चकित कर दिया, जो कि उनकी सर्वोच्च टी20 पारी भी है, जिसमें उनके कुछ छक्के मैदान पर सीधे और कवर के ऊपर से लगे, जिससे घरेलू प्रशंसक रोमांचित हो गए। उन्होंने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं कहूंगा कि मैं एक वास्तविक ऑलराउंडर हूं जो गेंदबाजी कर सकता है, जो बल्लेबाजी कर सकता है, जो क्षेत्ररक्षण भी कर सकता है। इसलिए, मैं हरफनमौला प्रदर्शन की उम्मीद कर रहा था। मैं वास्तव में पिछले कुछ समय से इस बल्लेबाजी अवसर का इंतजार कर रहा था। इस साल टीम प्रबंधन ने मुझे मौका दिया और मैं इसे गंवाना नहीं चाहता था। हैदराबाद के मध्यक्रम में

अपनी भूमिका पर विचार करते हुए, रेड्डी ने कहा, पिछले दो मैचों से, यह ऐसा ही रहा है। मेरी भूमिका हेनरिक क्लासेन को धमाका करने का लाइसेंस देने के लिए 14वें या 13वें ओवर तक खेलने की थी।अगर क्लासेन और समद को शुरुआती ओवरों में बल्लेबाजी करने का मौका मिले तो कोई फायदा नहीं, वे स्वतंत्र रूप से रन नहीं बना सकते। मैं सिर्फ यह सुनिश्चित करना चाहता था कि मुझे दबाव महसूस नहीं हो। मैं बस उसी तरह पारी खेलना चाहता था जैसी मैंने पंजाब के खिलाफ खेली थी और एक ओवर में आक्रमण करने और गति बदलने की योजना बना रहा था। जब मैंने (युजवेंद्र) को देखा तो बिल्कुल यही हुआ। मैं खुद का समर्थन कर रहा था कि मुझे उसके पीछे जाना है (14वें ओवर में) और यह काफी अच्छा रहा (उससे 21 रन लेकर)। तालिका में शीर्ष पर मौजूद रॉयल्स को हराने से वास्तव में टीम का मनोबल बढ़ेगा । रेड्डी ने यह भी खुलासा किया कि थिंक-टैंक को अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार पर भरोसा था, जो अंतिम ओवर में 12 रनों का बचाव करके उन्हें जीत दिलाएंगे। देखिए, टी20 पूरी तरह से गति को बदलने के बारे में है। इसलिए, हमें वास्तव में विश्वास था कि हम किसी तरह एक या दो विकेट ले लेंगे जो हमें अच्छी तरह से सेट यशस्वी जयसवाल और रियान पराग के रूप में मिले।

नरगिस की खूबसूरती के दीवाने हो गये थे शादीशुदा राज कपूर

दोनों ने 9 साल तक किया एक दूसरे को डेट,फिर टूटा रिश्ता

दिवंगत अदाकारा नरगिस को आज भी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे खूबसूरत अदाकारों में गिना जाता है। अपने फिल्मी करियर में उन्होंने कई हिट फिल्में दीं।

शोमैन राज कपूर के साथ उनकी जोड़ी अब तक की सबसे बड़ी हिट थी। स्क्रीन पर उनकी केमिस्ट्री इतनी जबरदस्त थी कि इसका असर स्क्रीन के पीछे भी नजर आता था। इस जोड़े ने लंबे समय तक डेट किया। 40 के दशक में नरगिस की जोड़ी राज कपूर के साथ बनी, लेकिन 60 के दशक तक इस खूबसूरत जोड़ी ने रिश्ता तोड़ दिया। एक साथ 16 फिल्में देने वाले ये एक्टर दोबारा एक-दूसरे के साथ काम करते नजर नहीं आए। लेकिन ऐसा क्या ग़लत हुआ?

आरके स्टूडियो में नरगिस का योगदान

कोलकाता में फातिमा राशिद के नाम से जन्मीं नरगिस बचपन में ही अभिनय की दुनिया से जुड़ गईं और यहीं से उन्हें अपना स्क्रीन नाम भी मिला। जब नरगिस 16 साल की थीं, तब उनकी मुलाकात राज कपूर से हुई। ये दोनों पहली बार फिल्म %आग% में साथ नजर आए थे और ये फिल्म काफी सफल रही थी। फिर राज कपूर और नरगिस की जोड़ी पर्दे पर हिट हो गई. और फिर वह आरके स्टूडियो की कई यादगार हिट फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने साथ में अंदाज, आवारा, बरसात, आग, आह और श्री 420 सहित कई हिट फिल्में दीं। कपूर और नरगिस ने 1956 तक साथ काम किया, लेकिन यही वह दौर था जब इस खूबसूरत जोड़ी के रिश्ते में खटास आ गई।

क्यों टूट गई राज-नरगिस की जोड़ी?

राज कपूर और नरगिस का रिश्ता करीब 9 साल तक चला। एक्ट्रेस स्टार एक्टर को डेट करने के बाद घर बसाना चाहती थीं, लेकिन राज कपूर की पहले से ही पत्नी और बच्चे थे। एक समय ऐसा भी आया जब नरगिस का धैर्य जवाब दे गया। एक्ट्रेस को यह भी लगने लगा था कि अब उन्हें राज कपूर की फिल्मों में पहले जैसी अहमियत नहीं मिल रही है। फिल्म श्री 420 में नरगिस लीड हीरोइन थीं, उन्हें नॉन-ग्लैमरस रोल दिया गया था। हालाँकि, नादिरी के रूप में उनकी भूमिका ने सारी सुर्खियाँ बटोर लीं।

नरगिस और राज कपूर की आखिरी फिल्म सुपरहिट रही थी

1956 में नरगिस और राज कपूर की फिल्म चोरी चोरी रिलीज हुई थी। ये रोमांटिक कॉमेडी फिल्म सुपरहिट रही थी। फिल्म ने शानदार बिजनेस किया लेकिन ये आखिरी बार था जब नरगिस और राज कपूर एक साथ मुख्य भूमिका में नजर आए थे। कुछ दिनों बाद नरगिस राज कपूर के साथ फिल्म जागते रहो में पर्दे पर नजर आईं, लेकिन सिर्फ कुछ समय के लिए। ये फिल्म ज्यादा सफलता हासिल नहीं कर पाई. जागते रहो का निर्माण राज कपूर ने और निर्देशन शंभू मित्रा ने किया था।

दूसरी बार एक आकर्षण है!

बाद में साल 1957 में सुनील दत्त ने मदर इंडिया के सेट पर आग लगने से उनकी जान बचाई। यह फिल्म अब तक की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक साबित हुई और अभिनेताओं को प्यार हो गया। 11 मार्च 1958 को नरगिस ने दत्त से शादी कर ली। अपनी शादी से पहले, मदर इंडिया अभिनेता ने हिंदू धर्म अपना लिया और अपना नाम निर्मला दत्त रख लिया। इस जोड़े को तीन बच्चों, संजय दत्त, नम्रता दत्त और प्रिया दत्त का आशीर्वाद मिला। दुर्भाग्यवश, 3 मई 1981 को अग्नाशय कैंसर के कारण नरगिस का निधन हो गया।

कुबेर:धनुष अभिनीत फिल्म से नागार्जुन अक्किनेनी का पहला लुक जारी

शेखर कम्मुला निर्देशित आगामी फिल्म कुबेरा से तेलुगु सुपरस्टार नागार्जुन अक्किनेनी का फर्स्ट लुक गुरुवार को जारी कर दिया गया है। पहला लुक 3 मई को सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान स्क्रीन पर आया। इसमें अनुभवी अभिनेता नागार्जुन को छाते और रहस्य की हवा के साथ बारिश में खड़े दिखाया गया है। वह तरल नकदी के ट्रकों से घिरा हुआ है, जो फिल्म के शीर्षक कुबेर का प्रतीक है
पोस्टर में, वह नीली शर्ट और पैंट पहने हुए हैं और पहली नज़र में चश्मा लगाए हुए हैं। इससे पहले, फिल्म से धनुष का पहला लुक जारी किया गया था, जिसे दर्शकों से रोमांचक प्रतिक्रिया मिली थी। पोस्टर में धनुष घनी दाढ़ी और गंदे कपड़ों के साथ एक भिखारी के वेश में हैं।

फिल्म के बारे में अधिक जानकारी

कुबेर में रश्मिका मंदाना और जिम सर्भ भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में

हैं। श्री वेंकटेश्वर सिनेमाज और एमिगोस क्रिएशन्स प्राइवेट लिमिटेड बैनर के तहत सुनील नारंग और पुस्कुर राम मोहन राव द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित इस फिल्म की शूटिंग तमिल, तेलुगु और हिंदी में एक साथ की जा रही है।
यह फिल्म धनुष और निर्देशक के बीच पहले सहयोग का भी प्रतीक है। शेखर कम्मुला को गोदावरी, हैप्पी डेज़ और लव स्टोरी जैसी लोकप्रिय तेलुगु फिल्मों के निर्देशन के लिए जाना जाता है। कुबेर के अलावा, नागार्जुन मोहन राजा द्वारा निर्देशित एक अनाम फिल्म में भी दिखाई देंगे। इसमें तृषा कृष्णन, राधिका मदान, अखिल अक्किनेनी और विवेक ओबेरॉय भी प्रमुख भूमिकाओं में होंगे। ढ्ढस्रङ्ख के अनुसार, आगामी फिल्म पांच हत्यारों, नागार्जुन, तृषा, विवेक, अखिल और राधिका की कहानी पर आधारित होगी, जो एक हाई-स्पीड कैटामरन पर सवार होते हैं और उन्हें पता चलता है कि उनके मिशन में कुछ समानता है।

शेखर सुमन को मजबूरी में बनना पड़ा माधुरी दीक्षित का ड्राइवर

बीवी करती थी धकधक गर्ल का मेकअप

शेखर सुमन ने 1 मई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही संजय लीला भंसाली द्वारा डायरेक्ट की गई हीरामंडी से जबरदस्त कमबैक किया है। उनके रोल को फैंस और क्रिटिक्स द्वारा पसंद किया जा रहा है। इसी बीच बॉलीवुड बबल को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने अपने एक्टिंग करियर के बारे में बात की। इतना ही नहीं उन्होंने 1980 की एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित के साथ काम करने को लेकर भी किस्सा शेयर किया। जब वह इंडस्ट्री में नई थीं. एक्टर ने बताया कि जब वे फिल्म में साथ काम कर रहे थे तो वह माधुरी को बाइक पर पिकअप करने जाते थे।
शेखर सुमन ने कहा, उत्सव में देरी हो गई थी और उसके और अनुभव के बीच, एक दिन मुझे एक फोन आया जहां एक निर्देशक मुझे मानव हत्या नामक फिल्म के लिए साइन करना चाहता था, जिसमें मैंने एक पत्रकार की भूमिका निभाई थी। डायरेक्टर ने कहा, पैसे बड़े कम हैं इसमें. उन्होंने मुझे पांच हजार ऑफर किए। हालांकि मैने उत्सव 25 हजार रुपए में साइन कर ली थी और साइनिंग अमाउंट 10 हजार दिए थे। लेकिन जब उन्होंने पांच हजार दिए तो मैं काफी निराश हो गया और उन्होंने कहा कि कोई बड़ी हिरोइन भी नहीं है। उन्होंने बताया कि माधुरी दीक्षित नाम की नई हीरोइन हैं. मैने उनसे मिलवाने के लिए कहा और तब उन्होंने पूछा कि क्या मैं करूंगा तो मैं तैयार हो गया फिल्म के लिए। आगे एक्टर ने कहा, मैने कहा मैं बिल्कुल तैयार हूं. मैने कहा कि जब रेखाजी मेरे जैसे नए हीरो के साथ काम कर सकती हैं तो मैं किसी नई हीरोइन के साथ काम क्यों नहीं कर सकता। इसके बाद हम माधुरी के घर गए और उनसे मिले। उन्होंने बाहर आने में समय लगाया लेकिन जब मैने उन्हें देखा तो वह सुंदर दिखती थीं। मैंने डायरेक्टर से कहा कि आपकी फिल्म शुरू होने वाली है और मैं यह करूंगा।
शेखर सुमन ने कहा, यह हम दोनों की दूसरी फिल्म थी और निर्माता आकर कहते हैं, लोकेशन के पैसे नहीं है, आपका घर मिलेगा शूट के लिए? मैने कहा, ऐसा करो थोड़े दिन तुम मुझसे पैसे लेलो और शूट करना. घर भी लेलो, कपड़े भी लेलो, मोटरसाइकल भी लेलो। जो करना है करलो, जो लेना है लेलो। तो वो बोला, देखो अभी माधुरी को आने के लिए टैक्सी के पैसे नहीं है तो क्या आप उन्हें पिकअप कर सकते हो। तो मैं माधुरी दीक्षित को मोटरसाइकल पे लेने जाता था। फिर बोला मेकअप के पैसे नहीं है तो मेरे को बोला की मेरी वाइफ, अल्का को बोलो कि वो अच्छी लगती है तो वो मेकअप कर देगी। तो अल्का माधुरी का मेकअप करती थी। कपड़े भी चाहिए थे। अल्का उन्हें ड्रेसेस भी देती थी। बेचारी माधुरी बहुत स्वीट,मासूम महाराष्ट्रियन लड़की...जो बोलते थे वो करती थी। मैं उसे अक्सर शूट के बाद डांस प्रैक्टिस पर छोड़ने भी जाता था। जैसे तैसे फिल्म पूरी हुई।शेखर सुमन ने बताया कि उनकी तीसरी फिल्म अनुभव में उन्हें माधुरी दीक्षित के साथ काम करना था। लेकिन वह पद्मिनी कोल्हापुरे के साथ रिप्लेस कर दी गई और फिल्म एक बड़ी सक्सेस साबित हुई।

रामायण फिल्म में अब हुई इस एक्टर की एंट्री

फिल्ममेकर नितेश तिवारी की रामायण को लेकर सोशल मीडिया पर हमेशा खबरें चलती ही रहती हैं। फिल्म के एक्टर्स भी इसको लेकर काफी एक्साइटेड हैं। अब एक्टर अजिंक्य देव ने भी कन्फर्म कर दिया है कि वे रामायण में दमदार भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। दिवंगत एक्टर रमेश देव और सीमा देव के बेटे अजिंक्य ने रामायण के सेट से फिल्म में श्रीराम की भूमिका अदा करने जा रहे एक्टर रणबीर कपूर के साथ एक तस्वीर शेयर की है, जो इंटरनेट पर वायरल हो रही है।बताया जा रहा है कि अजिंक्य को 'विश्वामित्र' के रोल के लिए चुना गया है, लेकिन इसे लेकर अब तक कोई भी ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है। अजिंक्य ने इंस्टाग्राम पर रणबीर के साथ जो फोटो डाली है, उसमें दोनों काले रंग में ट्विनिंग करते दिखे। उन्होंने कैप्शन में लिखा- तो अब इस फोटो पर स्पष्टीकरण के लिए...आरके के साथ एक महान कृति फिल्म रामायण में एक शानदार भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हूं और यह डेढ़ साल शानदार रहा है क्योंकि मैंने पहले नीतू सिंह कपूर मैडम के साथ स्क्रीन शेयर की और फिर करिश्मा कपूर के साथ वेब सीरीज में काम किया और अब रणबीर कपूर के साथ काम कर रहा हूं। बाद में अजिंक्य ने यह पोस्ट हटा दी। बता दें मराठी एक्टर अजिंक्य 'तानाजी' फिल्म में भी नजर आए थे।

बीएसएफ जवानों की बस टकराई पेड़ से,17 घायल,4 गंभीर

रायगढ़,03 मई 2024(ए)। बीएसएफ जवानों से भरी बस आज दोपहर करीब 12 बजे अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इस दिल दहला देने वाली घटना में 17 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए है।

इनमें से 13 जवानों को मामूली चोट आई है, वहीं जवान गंभीर बताए जा रहे हैं। उनको बेहतर इलाज के लिए रायगढ़ मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है। बाकी का इलाज धर्मजयगढ़ अस्पताल में हो रही हैं।

मिली जानकारी के अनुसार सभी जवान धरमजयगढ़ के छुही पहाड़ में मतदान केंद्र का निरीक्षण कर बस से लौट रहे थे। तभी जवानों की बस कमोसिन डाण्ड के पास अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई। जिससे बस में सवार जवानों को चोट आई है।

घटना के बारे में जानकारी देते हुए एसडीएम धरमजयगढ़ डिगेश पटेल ने बताया कि बीएसएफ के 17 जवान बस में सवार होकर मतदान केंद्रों का मुआयना करने निकले थे। वे धरमजयगढ़ के सुदूर पहाड़ी इलाके में स्थित छूही पहाड़ के मतदान केंद्र का निरीक्षण कर लौट रहे थे।

वापसी के समय बस अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इससे बस में बैठे करीब 8 जवानों को चोट आई हैं। जिसमें 2 जवानों को थोड़ी अधिक चोट आई है। शेष जवान मामूली रूप से घायल हुए। सभी का उपचार सिविल अस्पताल धरमजयगढ़ में चल रहा है। सभी जवानों की स्थिति खतरे से बाहर है।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी का बड़ा एक्शन

पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा,अनवर ढेबर समेत अन्य की कुल 205.49 करोड़ की संपत्ति ईडी ने की अटैच

रायपुर,03 मई 2024(ए) । छत्तीसगढ़ में आज ईडी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 18 चल और 161 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच (जब्त) की है। बता दें कि छत्तीसगढ़ राज्य में शराब घोटाले की चल रही जांच में अनिल टुटेजा, पूर्व आईएएस, अनवर ढेबर और अन्य से संबंधित 205.49 करोड़ (लगभग) की संपत्ति ईडी ने अटैच की है।ईडी द्वारा अटैच की गई संपत्तियों में पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा की 14 संपत्तियां जिनकी कीमत 15.82 करोड़ रुपये हैं, 115 संपत्तियां अनवर ढेबर की हैं, जिसकी कीमत 116.16 करोड़ है साथ ही 3 संपत्ति विकास अग्रवाल की की अटैच की गई है। इसकी कुल कीमत 1.54 करोड़ है।

साथ ही 33 प्रॉपर्टी अरविंद सिंह की हैं, जिसकी कीमत 12.99 करोड़ है। अरुण पति त्रिपाठी की 1.35 करोड़ रुपये की एक संपत्ति को जब्त किया गया है। इसके अलावा, त्रिलोक सिंह ढिल्लों की 9 संपत्तियों को जब्त किया गया है। जिसकी कीमत 28.13 करोड़ रुपये है।

नवीन केडिया के 27.96 करोड़ रुपये के आभूषण भी जब्त किए गए हैं। आशीष सौरभ केडिया/दिशिता वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड की 1.2 करोड़ की संपत्ति और एक वाहन जिसकी कीमत 0.13 लाख है उसे भी अटैच किया गया है।

अनवर ढेबर की कुर्क की गई संपत्तियों में उनकी फर्म ए ढेबर बिल्डकॉन के बैनर तले चल रहे होटल वेनिंगटन कोर्ट, रायपुर और एकॉर्ड बिजनेस टावर के नाम से एक कमर्शियल बिल्डिंग भी शामिल हैं।

2000 करोड़ के शराब घोटाले मामलें में कारोबारी विधु गुप्ता गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ में आबकारी घोटाले में फर्जी होलोग्राम सप्लाई करने वाले कारोबारी विधु गुप्ता को यूपी एसटीएफ ने गिरफ्तार किया गया है. विधु गुप्ता प्रिज्म होलोग्राफी और सिक्योरिटी फिल्म प्राइवेट लिमिटेड का डायरेक्टर है. आबकारी घोटाले से संबंधित थाना कासना गौतम बुद्ध नगर में ईडी ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज एफआईआर पर यूपी एसटीएफ ने विधु गुप्ता को गिरफ्तार किया है. विधु गुप्ता से पूछताछ करने ईडी या ईओडब्ल्यू रायपुर की टीम नोएडा जा सकती है. बता दें कि शराब घोटाले में छत्तीसगढ़ के तत्कालीन आबकारी आयुक्त निरंजन दास, विशेष सचिव आबकारी अरुणपति त्रिपाठी, कारोबारी अनवर ढेबर,तत्कालीन सचिव इंडस्ट्रीज अनिल टुटेजा और विधु गुप्ता के खिलाफ केस दर्ज हुआ था. मामले की जांच यूपी एसटीएफ कर रही है।

नक्सलवाद को खत्म करने ऑपरेशन जवानों ने किया लॉन्च

जगदलपुर,03 मई 2024 (ए) । पिछले 4 दशकों से बस्तर नक्सलवाद का दंश झेल रहा है। बस्तर में 80 से अधिक सुरक्षा बलों के कैंप स्थापित हैं। बावजूद बस्तर से नक्सलवाद पूरी तरीके से खत्म नहीं हो पाया है। हालांकि पिछले 3 दशकों में 2024 नक्सलियों के लिए घातक साबित हुआ है। सुरक्षा बलों ने चार महीनों में 91 से अधिक नक्सलियों को मार गिराया है और सभी नक्सलियों की बॉडी भी बरामद कर ली है। वहीं मुठभेड़ में 100 से अधिक हथियार बरामद किए गए हैं.।

इस साल 205 माओवादियों की गिरफ्तारी और 231 नक्सलियों ने नक्सलवाद छोड़ मुख्यधारा में जुड़े हैं। देखा जाए तो 2024 में नक्सलियों की कमर टूट गई है.। कई बड़े कैडर के नक्सलियों को सुरक्षा बलों ने ढेर कर दिया है, जिसमें बड़े नाम के तौर पर डीव्हीसीएम शंकर राव, अशोक, जोगन्ना शामिल हैं। सभी इनामी नक्सलियों को मिलाकर अब तक 1 करोड़ 80 लाख से अधिक ईनामी नक्सलियों को ढेर कर दिया गया है। वहीं इन मुठभेड़ में कई आधुनिक हथियार भी बरामद किए गए हैं, जिसमें दो एलएमजी, चार एके47 , तीन इंसास, एक एसएलआर , चार 3नॉट3 और कई भरमार बंदूक के साथ भारी मात्रा में विस्फोटक समान शामिल हैं।

दरअसल नक्सलियों का टीसीओसी का महीना चल रहा है और टीसीओसी टैक्टिकल काउंटर अफेंसिव कैंपेन में माओवादी अपने नए लड़कों को ट्रेनिग देते हैं और जवानों से मुठभेड़ कर प्रेक्टीकली नए लड़कों को एम्बुस लगाना, जवानों को नुकसान पहुंचाना, हथियार लुटाना सिखाते हैं. यही वजह रही कि माओवादियों के इस माह में जवानों को अधिक नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन 2024 में इसके उलट परिणाम देखने को मिल रहा है. पहली बार नक्सलियों को टीसीओसी माह में भारी चोट पहुंची है।

रेप पीड़िता को 22 लाख रुपए स्वीकृत

» 2 महीने बाद हुई स्वस्थ

रायपुर,03 मई 2024(ए)। 70 दिन के लंबे उपचार के बाद अंततः बालात्कार पीड़िता युवती अब पूर्णतः स्वस्थ हो चुकी है, उसका हिमोग्लोबिन 10 के ऊपर जा चुका है, जो कि अस्पताल में भर्ती करते समय 2 हो गया था। स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने इस मामले में गंभीर पहल करते हुए व्यक्तिगत रूची ली और उपचार के लिए योजना से रू 22 लाख राशि की स्वीकृति दिलाई। रायपुर के एक निजी अस्पताल में 70 दिन पूर्व बालात्कार पीड़िता युवती को अत्यन्त गंभीर हालत में भर्ती कराया गया था। घटनाक्रम की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने युवती के उपचार के लिए व्यक्तिगत स्तर पर ध्यान दिया और भर्ती होने से अब तक लगातार पूरी जानकारी लेते रहे। निजी अस्पताल के संचालक डॉ. सुनील कालड़ा ने भी बालात्कार पीड़िता युवती के उपचार में अपनी पूरी ताकत लगा दी, जिसका परिणाम यह है कि अब 3 मई 2024 को युवती अब अस्पताल से छुट्टी लेकर अपने घर रवाना हो जायेगी।

20 अक्टूबर 2023 को एक दिल दहला देने वाली घटना ग्राम गनपतपुर के ठिहाईपारा जंगल में हुई। युवती के प्रेमी ने ही उसके साथ धोखा किया और जंगल बुलाकर युवती के साथ बलात्कार किया। इस दौरान हुई झूमा-झटकी में युवती 11 हजार वोल्ट के करंट के तार की चपेट में आ गई और गंभीर रूप से झुलस गई। उसे इसी हालत में छोड़कर दोनो आरोपी युवक फरार हो गये। कुछ समय बाद जंगल में कुछ लोगों ने युवती को अचेत अवस्था में देखा और घटना की सूचना पुलिस को दी गई, साथ ही युवती को बैकुंठपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस बीच पुलिस ने बलात्कार का मामला दर्ज कर आरोपी निलेश कुमार (कथित प्रेमी) एवं उसका साथी बेचन साय यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

हाईकोर्ट ने जारी किए 50 सिविल जज क्लास-2 के पदोन्नति आदेश

बिलासपुर,03 मई 2024 (ए)। हाईकोर्ट ने व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ से व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ के रिक्त 50 पदों पर पदोन्नति आदेश जारी किए है। जारी आदेश में सिविल जज क्लास वन के 50 रिक्त पदों में वरिष्ठता के आधार पात्र सिविल जज क्लास 2 को प्रमोशन दिया गया है। हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल बलराम प्रसाद वर्मा ने इसके आदेश जारी किए है।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों की अब खैर नहीं

» भ्रष्टाचारी पूर्व मुख्यमंत्री हो या आम आदमी, गलत किया तो जाना पड़ेगा जेल:सीएम साय

रायपुर,03 मई 2024(ए)। 2018 विधानसभा चुनाव के समय कांग्रेस पार्टी ने लोकलुभावन जन घोषणा पत्र जारी किया था, जिसमें 36 वादे थे, उनको पूरा समय मिला सरकार चलाने का लेकिन, एक भी वादा पूरा नहीं कर पाए। साथ ही 5 सालों में कांग्रेस पार्टी ने छत्तीसगढ को अपराध और भ्रष्टाचार का गढ़ बना दिया था। कोयला, बालू, शराब, डीएमएफ राशि में घोटाला जैसे बहुत से घोटाले कर जनता के विश्वास से उतर चुकी थी। भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं ने शीर्ष एवं प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर एकजुट होकर काम किया, जिसके कारण हमें अच्छी सफलता मिली. ये बातें मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने एक साक्षात्कार में कही।

साय ने कहा, इस बार तो प्रधानमंत्री के 10 सालों के कार्यों का मूल्यांकन जनता के पास है और पिछले तीन महीने में हमारी छत्तीसगढ़ की सरकार ने मोदी की गारंटी के बड़े-बड़े काम किए हैं। 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी है, 12 लाख से ज्यादा किसानों को 2 साल से ज्यादा का बकाया बोनस 3716 करोड़ रुपया दिए हैं, 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी एवं प्रति क्विंटल 3100 रूपये धान की कीमत मिली है और 24 लाख 72 हजार से ज्यादा किसानों को 13320 करोड़ रुपए अंतर की राशि दी गई है। हमारी जो विवाहित माताएं-बहनें हैं उन्हें महतारी वंदन योजना के तहत 2 महीने का जो उनका 1000 रुपया का किस्त है, वो देने का काम किए हैं. हर महीने के पहले सप्ताह में उनको किश्त दे देंगे। रामलला दर्शन योजना की शुरुआत भी हो चुकी है। बस्तर-सरगुजा जैसे आदिवासी बाहुल्य संभाग में तेंदूपत्ता जहां आय का एक बड़ा स्त्रोत है। उसे 4000 से बढ़ाकर 5500 रुपए प्रति मानक बोरा खरीदने का सरकार आदेश कर चुकी है और ये सभी काम मोदी के गारंटी के अंतर्गत हो रहे हैं, जिनका असर जनता पर हो रहा है, इस कारण मैं पूरे विश्वास से कह सकता हूं कि इस बार छत्तीसगढ में पूरी 11 में से 11 सीट भारतीय जनता पार्टी जीतेगी और रिकॉर्ड टूटेगा।

शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच करेगा ईओडब्ल्यू विभाग

रायपुर,03 मई 2024(ए) ईओडब्ल्यू यानी आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो संभवतः पहली बार स्कूल शिक्षा विभाग के किसी मामले में हुए गड़बड़ी की जांच करने जा रहा है और इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने विभागीय अनुमति देने का निर्णय ले लिया है जिसके बाद स्कूल शिक्षा विभाग में हड़कंप है। पदोन्नति में हुई गड़बड़ी के समय ईओडब्ल्यू से मामले की जांच की बात निकलकर सामने आई थी लेकिन अब जिस मामले को लेकर ईओडब्ल्यू जांच करने जा रही है वह पदोन्नति का मामला नहीं बल्कि अनुकंपा नियुक्ति का मामला है जो बिलासपुर जिले से जुड़ा हुआ है। दरअसल कोरोना काल यानी 2020 में बिलासपुर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के जरिए मृत शासकीय कर्मचारियों के परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति दी गई और इसी में विभागीय अधिकारियों ने बड़ा खेल कर दिया दरअसल कुल 52 पदों पर अनुकंपा नियुक्ति दी जानी थी और कुल 56 पदों पर अनुकंपा नियुक्ति दे दी गई । यही नहीं शासकीय नियमानुसार जो अनुकंपा नियुक्ति की पात्रता नहीं रखते थे उन्हें भी नियुक्ति दे दी गई इसके बाद शिकायतकर्ता रजनीश साहू ने आरटीआई के दस्तावेजों के सहारे पूरे मामले की शिकायत उच्च कार्यालय में की और जब मामले की जांच हुई तो एक के बाद एक कुल 11 अनुकंपा नियुक्ति रद्द किए गए , यही नहीं इस मामले में तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी जो की प्रभारी के रूप में तैनात थे पी दशरथी, वह भी निलंबित हुए हालांकि वह बात में कोर्ट से स्टे आर्डर लाने में सफल रहे और अभी भी स्कूल शिक्षा विभाग के बिलासपुर डीईओ कार्यालय में सहायक संचालक के तौर पर पदस्थ है।

इसके बाद शिकायत कर्ता ने मामले की शिकायत आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो से की और ब्यूरो ने मामले की गंभीरता को देखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग से इस मामले में जांच की अनुमति मांगी जैसा कि आमतौर पर प्रोसीजर है । हालांकि अनुमति नई सरकार बनने के बाद अभी मिली और स्कूल शिक्षा विभाग ने इस मामले की जांच ईओडब्ल्यू से कराने की दिशा में कदम उठाया है । गौरतलब है कि ऐसे ही अनुकंपा नियुक्ति फर्जीवाड़ा मामले में मुंगेली के तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी एन के द्विवेदी अपनी नौकरी गवा बैठे और जिला शिक्षा अधिकारी जैसे बड़े पद में रहने के बाद बर्खास्त हुए इसलिए इस मामले में भी बड़ी कार्रवाई होने की उम्मीद जताई जा रही है और वह भी तब जब अब सीधे एक्शन में ईओडब्ल्यू आएगी।

दूषित पानी का असर,30 से ज्यादा लोग चपेट में,सभी अस्पताल में भर्ती

बिलासपुर,03 मई 2024(ए)। शहर के डीपूपारा, तारबाहर इलाके में एक बार फिर से दूषित पानी पीने से 30 ज्यादा लोग बीमार पड़ गए हैं। इनमें पीलिया और डायरिया का प्रकोप पाया गया है। इस क्षेत्र में बीते दो दिन में पीलिया के 30 मरीज मिले हैं। सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. लोगों के अचानक बीमार पड़ने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। स्वास्थ्य विभाग के सर्वे में पीलिया और डायरिया दोनों से पीड़ित मरीज मिल चुके हैं. वहीं विभाग ने सैंपल लेकर सिम्स में जांच के लिए भेजा है।

छत्तीसगढ़ के 4 जिलों में भीषण गर्मी से मचेगा लू का कहर

» 2-3 डिग्री बढ़ सकता है तापमान

» छत्तीसगढ़ के 4 जिलों में लू का अलर्ट, 2-3 डिग्री बढ़ सकता है तापमान

रायगढ़ सबसे ज्यादा गर्म

रायपुर,03 मई 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में गर्मी तपती जा रही है। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे में रायगढ़, जांजगीर, राजनांदगांव और कांकेर जिले में लू का अलर्ट जारी किया है। वहीं, अगले 4 दिन में अधिकतम तापमान 2 से 3 डिग्री बढ़ने का अनुमान जताया है।प्रदेश में पिछले 24 घंटे में प्रदेश में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 42.6 डिग्री रायगढ़ में दर्ज किया गया। वहीं, सबसे कम न्यूनतम तापमान 18.5 डिग्री बलरामपुर में रिकॉर्ड किया गया है। प्रदेश के के 10 जिलों का तापमान 40 डिग्री से ऊपर है। बता दें कि छत्तीसगढ़ में मई में तापमान 43 से 44 डिग्री के आसपास पहुंच जाता है। इस साल भी मई माह महीने तापमान इतना ही रहने का अनुमान है। हालांकि ला नीना के असर से हीट वेव यानी लू के दिन भी तीन से चार दिन ही रहेंगे।

पीसीसी चीफ बैज के सामने पेश हुई राधिका खेड़ा

» सुशील आनंद, मां के साथ राजीव भवन पहुंची राधिका

रायपुर,03 मई 2024(ए)। कांग्रेस की नेशनल मीडिया कोआर्डिनेटर राधिका खेड़ा और पीसीसी संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला के बीच विवाद की जांच पीसीसी चीफ दीपक बैज ने शुरू कर दी है। शुक्रवार देर शाम रायपुर के राजीव भवन में अपनी मां के साथ राधिका पहुंची। वे सीधे बैज के चेंबर में गईं। बैज के सामने उन्होंने अपना पक्ष रखा और उसके बाद राजीव भवन से निकल गईं। उनसे जब मीडिया ने उनसे पूछा तो राधिका खेड़ा ने कहा कि मैं अभी प्रदेश अध्यक्ष जी से मिलकर अपनी बात रखना आई थी। मेरी मुलाकात हो गई है। विस्तृत जानकारी प्रेस के साथियों को प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से दी जाएगी। अभी मेरी तबीयत ठीक नहीं है। मैं अभी कोई बयान नहीं दे पाऊंगी। राधिका खेड़ा के निकलने के बाद सुशरल आनंद शुक्ला भी कार्यालय पहुंचे। उनकी भी दीपक बैज से अलग से चर्चा हुई। उन्होंने अपनी तरफ से सफाई दी।

जानकारी के अनुसार राधिका खेड़ा कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक कर रहीं थीं, तभी सुशील आनंद शुक्ला वहां आ गए। किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। प्रदेश कांग्रेस के नेताओं पर बदसलूकी की बात सामने आई। इस घटना का वीडियो भी बना लिया गया । वे फोन पर किसी को घटना के बारे में बता रहीं थीं। राधिका खेड़ा वीडियो में यह कहती हुई भी दिख रही हैं कि मैं पार्टी से इस्तीफा दे रही हूं, कांग्रेस पार्टी छोड़ रही हैं। इसके बाद वे रायपुर से दिल्ली लौट गईं। विवाद मंगलवार को रायपुर स्थित राजीव भवन से ही शुरू हुआ है। राधिका खेड़ा वहां रोईं। राधिका ने एक्स पर लिखा था कि ÷मेरी 40 साल की उम्र में मेरे साथ ऐसा कभी नहीं हुआ। मेरी इतनी बेइज्जती कभी नहीं हुई। मैं जब उससे बात करती हूं, वो मुझ पर चिल्लाता है।÷

राधिका ट्वीट कर बोलीं...क्यों नारी लाचार है...

राधिका ने बुधवार दोपहर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स के अपने अकाउंट पर लिखा है 'नारी तू अबला नहीं, स्वयं शक्ति पहचान। अपने हक को लड़ स्वयं, तब होगा उत्थान। क्यों नारी लाचार है, लुटती क्यों है लाज। क्या पुरुषत्व विहीन ही, हुई धरा ये आज।'

सबसे पहले किया पोस्ट- कहा कौशल्या माता के मायके में बेटी सुरक्षित नहीं

घटना के बाद मंगलवार को ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के अपने अकाउंट पर राधिका ने इस विवाद के फौरन बाद एक पोस्ट शेयर किया। जिसमें उन्होंने लिखा- कौशल्या माता के मायके में बेटी सुरक्षित नहीं है। पुरुषवादी मानसिकता से ग्रसित लोग आज भी बेटियों को पैरों तले कुचलना चाह रहे हैं। इसके बाद उन्होंने लिखा- करूंगी खुलासा।

पवन खेड़ा ने कहा था- राधिका हमारी काबिल सहयोगी

इस विवाद को लेकर कांग्रेस मीडिया चेयरमैन पवन खेड़ा ने कहा था कि राधिका खेड़ा हमारी काबिल सहयोगी हैं। उनके साथ क्या हुआ, इसकी जांच होकर रहेगी। किसने उनके मन को दुखाया है, यह हम आपस में सुलझा लेंगे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)